कोटद्वार, शुक्रवार
23 जनवरी 2026
वर्षः 48
अंकः 242 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

मुख्यमंत्री ने दी बसंत पंचमी की शुभकामनाएं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को बसंत पंचमी की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। बसंत पंचमी की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि बसन्तोत्सव प्रकृति के श्रृंगार एवं नई ऊर्जा का संचार करने वाला पर्व है। यह दिन माता सरस्वती को भी समर्पित है, जो ज्ञान, संगीत और कला की देवी हैं। यह पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने और समाज में ज्ञान, संगीत और कला को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी का अवसर हमें प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन की भी प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि बसन्तोत्सव का यह पर्व हम सभी के जीवन में नई उमंग, उत्साह और खुशियों का संचार करने वाला होगा।

धूं–धूं कर जल रहा है सरगेट बीट का जंगल, वनकर्मी बने हुए हैं तमाशबीन

विकासनगर। चकराता वन प्रभाग के अंतर्गत देवघार रेंज के सरगेट बीट में जंगल में आग लगी है। दोपहर में लगी काफी फैल चुकी है। इसके बाद भी वनकर्मियों ने आग बुझाने की कोशिश नहीं की। यह आग पुरोला मोटर मार्ग पर कथियान बैंड के पास बनी वन चौकी के पास लगी है। दरअसल, दोपहर को किसी असामाजिक तत्व ने त्यूणी–पुरोला मोटर मार्ग पर कथियान बैंड के पास जंगल में आग लगा दी। आग ने तेजी से जंगल को चपेट में लेना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में आग ने जंगल के काफी क्षेत्र को चपेट में लिया। शाम तक जंगल धधक रहा था लेकिन वनकर्मी तमाशबीन बने रहे। देर शाम तक आग पर काबू पाने के प्रयास नहीं किए गए। यह आग कथियान बैंड के पास बनी वन चौकी के समीप जंगल में लगी है। इस संबंध में वन क्षेत्राधिकारी देवघार शिव प्रसाद गैरोला ने बताया कि सरगेट बीट के जंगल में लगी आग को काबू पाने में लापरवाही बरतने वाले वनकर्मियों से जवब–तलब किया जाएगा। कहा कि वनकर्मियों को आग बुझाने के निर्देश दिए गए हैं। आग से वन क्षेत्र को हुए नुकसान का आकलन किया जाएगा।

शक्ति नहर में डूबे युवक का शव बरामद

विकासनगर। बीती बुधवार को पैर फिसलने से शक्ति नहर में डूबे युवक का शव गुरुवार को एसडीआरएफ ने बरामद कर लिया। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने बुधवार को सर्च अभियान चलाया था। रात होने के कारण डूबे युवक का पता नहीं चल पाया। सुबह दोबारा पुलिस और एसडीआरएफ ने सर्च अभियान चलाकर शव बरामद कर लिया। विदित है कि बुधवार को मोहम्मद आरिफ पुत्र मुन्ना निवासी गुप्ता कॉलोनी गोला गोरण नाथ लखीमपुर खीरी, हाल निवासी बड़ा रामपुर सहसपुर परिवार के साथ ई–रिक्शा से कुल्हाल स्थित भूरेशाह की मजार घूमने निकला था। सहसपुर जाते समय मटक माजरी कुल्हाल क्षेत्र में शाम को वह रिक्शा धोने के लिए शक्ति नहर के किनारे गया। पानी भरते समय उसका पैर फिसला और वह शक्ति नहर में डूब गया। सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और नहर में सर्च अभियान चलाया उसका पता नहीं चल पाया। गुरुवार को एक बार फिर पुलिस और एसडीआरएफ ने दोबारा नहर में सर्च अभियान चलाया। इसके बाद कुल्हाल नहर में डूबे युवक का शव बरामद कर लिया गया।

कुमाऊं में बारिश के साथ बर्फबारी की उम्मीद

हल्द्वानी। कुमाऊं के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में लंबे समय से बर्फबारी का इंतजार कर रहे लोगों और पर्यटकों के लिए अच्छी खबर है। मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए शुक्रवार को बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। मौसम वैज्ञानिक रोहित थपलियाल के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते नैनीताल, मुक्तेश्वर, धानाचूली, मुनस्यारी और पिथौरागढ़ के ऊंचाई वाले इलाकों में अच्छी बर्फबारी की संभावना है। वहीं, हल्द्वानी, रुद्रपुर, काशीपुर और खटीमा जैसे मैदानी क्षेत्रों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। बारिश और बर्फबारी के चलते आने वाले 24 से 48 घंटों में तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है।

भारतीय परंपराओं में निहित हैं विश्व की समस्याओं का समाधान : गृह मंत्री

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरूवार को हरिद्वार में आयोजित अखिल विश्व गायत्री परिवार के शताब्दी वर्ष समारोह में गायत्री परिवार द्वारा किए जा रहे सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यों की सराहना की। उन्होंने आचार्य श्रीराम शर्मा के योगदान का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपराओं में विश्व की समस्याओं का समाधान निहित है। गृह मंत्री ने कहा कि श्रीराम शर्मा आचार्य ने सनातन धर्म में व्याप्त विकृतियों को दूर कर आध्यात्मिकता को सामाजिक सरोकारों से जोड़ा तथा समानता, संस्कृति, एकता और अखंडता के मूल्यों को सुदृढ़ किया। उन्होंने ह्व्यक्ति निर्माण से समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माणह्व के विचार को व्यवहार में उतारने का मार्ग प्रशस्त किया। श्री शाह ने आचार्य जी के संदेश ह्वहम सुधरेंगे, युग सुधरेगाह्व को मानव कल्याण का मूल मंत्र बताते हुए इसे जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। गृह मंत्री ने कहा कि बीते दस वर्षों में देश की कार्य-संस्कृति और सोच में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन आया है। आज भारत को उसकी गौरवशाली विरासत, संस्कृति और मूल्यों के संदर्भ में आदर भाव से देखा जा रहा है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद और

अरविंद घोष जैसे युगपुरुषों के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के उत्कर्ष से मानवता का उत्कर्ष सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि देवभूमि हरिद्वार में कदम रखते ही आध्यात्मिक अनुभूति होती है और गायत्री मंत्र व्यक्ति के भीतर सद्भाव, राष्ट्र सेवा और मानव कल्याण की चेतना को जाग्रत करता है। उन्होंने युवाओं से आत्म-सुधार को सबसे बड़ी सामाजिक सेवा मानकर इसे जीवन में अपनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला, राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह, विधायक मदन कौशिक सहित देश-विदेश से आए बड़ी संख्या में गायत्री साधक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गायत्री परिवार आध्यात्मिक जागरण का कर रहा है कार्य : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में कहा कि गायत्री परिवार एक वट वृक्ष के समान है, जो आध्यात्मिक चेतना का प्रचार-प्रसार करते हुए समाज को शांति और सकारात्मकता की छाया प्रदान कर रहा है। कहा कि आज भारत अपनी गौरवशाली संस्कृति, ज्ञान और विज्ञान को नए स्वरूप में पुनः स्थापित कर रहा है और सनातन संस्कृति का यह विराट संदेश विश्व तक पहुंचे, इसके लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार समाज में आध्यात्मिक जनजागरण का कार्य कर रहा है। अखिल विश्व गायत्री परिवार से डॉ. चिन्मय पांड्या ने कहा कि गायत्री परिवार का मूल दर्शन समाज से विमुख होना नहीं, बल्कि समाज में रहकर मानव कल्याण और सामाजिक उत्थान के कार्यों को आगे बढ़ाना है।

गृह मंत्री को काले झंडे दिखाने जा रहे युवा कांग्रेसियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिद्वार। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को काले झंडे दिखाने जा रहे युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। उनको रोकने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी और कई बार उनके पीछे दौड़ भी लगानी पड़ी। गुरुवार को युवा कांग्रेस कार्यकर्ता ऋषिकुल मैदान के सामने एकत्र हुए और नेशनल हाईवे की ओर बढ़ने लगे। इसकी सूचना पर पहले से तैनात पुलिस बल ने कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया। इस बीच, पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का–मुक्की हुई। हालात को नियंत्रित करने के बाद सभी कार्यकर्ताओं को पकड़कर रोशनाबाद स्थित पुलिस लाइन ले जाया गया। पुलिस को दिया चकमा, फिर पकड़े गए पुलिस जब एक समूह को रोकने में व्यस्त थी, उसी दौरान युवा कांग्रेस का दूसरा समूह जिलाध्यक्ष कैश खुराना, दिव्यांश अग्रवाल, वीरेंद्र श्रमिक और नितिन तेश्वर के नेतृत्व में अचानक

सामने आया और एनएच की ओर दौड़ पड़ा। पुलिस को भी उनके पीछे दौड़ लगानी पड़ी। ऋषिकुल तिराहे से करीब 50 मीटर दूर जाकर पुलिस ने सबको पकड़ लिया। युवा कांग्रेस ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष कैश खुराना और रानीपुर विधानसभा अध्यक्ष गौरव चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार अंकिता भंडारी मामले में न्याय दिलाने में नाकाम साबित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में शंकराचार्य के साथ अभद्रता की घटना सामने आई है। कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। दिव्यांश अग्रवाल और वीरेंद्र श्रमिक ने कहा कि जो भी सरकार से सवाल करता है, उसे नोटिस भेज दिए जाते हैं। ऐसी सरकार को सत्ता में बने रहने का अधिकार नहीं। पतंजलि परिसर की ओर बढ़ते प्रदर्शनकारियों को रोका बहादराबाद। पतंजलि पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के विरोध में कांग्रेसियों ने कार्यक्रम स्थल की ओर बढ़ते हुए नारेबाजी शुरू की, लेकिन सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पुलिस ने आगे बढ़ने से रोक दिया। स्थिति गंभीर होते देख पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को पकड़कर रानीपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत सुमननगर चौकी पहुंचाया। युवा कांग्रेस के सोशल मीडिया प्रभाग के प्रदेश महासचिव महबूब आलम ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है।

बाइक के लालच में पहले दोस्ती, फिर गला घोंटकर की हत्या

रुद्रपुर। किच्छा में हुए दिनेश हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बाइक और मोबाइल के लालच में पहले दोस्ती की गई और फिर सुनियोजित तरीके से युवक की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से मृतक की बाइक और मोबाइल फोन बरामद कर लिए हैं। यह मामला 11 जनवरी को किच्छा क्षेत्र में मिले अज्ञात युवक के शव से जुड़ा था, जिसे पुलिस के लिए एक ब्लाइंड मर्डर केस माना जा रहा था। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने प्रेसवार्ता में बताया कि मृतक की पहचान दिनेश पुत्र रूपलाल निवासी मेथी नवदिया, बरेली (उप्र) के रूप में हुई थी। दिनेश काफी समय से रुद्रपुर ट्रांजिट कैंप में रहकर नौकरी कर रहा था। जांच में पता चला कि वह नौ जनवरी को अपनी बहन को भोजीपुरा छोड़ने गया था और अगले दिन उसका शव किच्छा में बरामद हुआ। मृतक के भाई वीरेंद्र की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर दो पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने

घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों, डिजिटल सर्विलांस और मुखबिर तंत्र की मदद से जांच शुरू की। हाईवे पर लगे करीब 300 सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए, जिनमें दिनेश दो युवकों के साथ आता–जाता दिखाई दिया। कैमरों से पहचान के बाद विजय पाल निवासी रसूलपुर, थाना शीशगढ़, जिला बरेली और दीपक मौर्या निवासी मिलक, जिला रामपुर को पूछताछ के लिए किच्छा कोतवाली लाया गया। कड़ाई से पूछताछ करने पर दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे लोन फाइल के सिलसिले में हल्द्वानी से भोजीपुरा गए थे। भोजीपुरा रेलवे स्टेशन के पास शराब की दुकान पर उनकी मुलाकात दिनेश से हुई। दिनेश की महंगी बाइक देखकर उनके मन में लालच आ गया और वहीं पर उसे लूटने व हत्या करने की साजिश रच डाली। दोनों ने दोस्ती का नाटक करते हुए दिनेश को भोजीपुरा से किच्छा तक साथ चलने के लिए मना लिया। रास्ते में अलग–अलग स्थानों पर उसे अधिक शराब पिलाई और सुनसान जगह पर उससे झगड़ा कर मौका पाकर उसका गला घोंट दिया। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को सुनसान जगह पर फेंक दिया और बाइक व मोबाइल लेकर फरार हो गए, ताकि वारदात को लूट का रूप दिया जा सके। एसएसपी ने बताया कि दोनों आरोपी लंबे समय से हल्द्वानी में किराये पर रहकर ठेली लगाते थे। विजय पाल जूस की ठेली और दीपक मौर्या खाने की ठेली लगाकर गुजारा करता था। कोर्ट में पेश करने के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया है।

पतंजलि एलोपैथी की विरोधी नहीं : रामदेव

हरिद्वार। योगगुरु स्वामी रामदेव ने कहा है कि पतंजलि एलोपैथी की विरोधी नहीं है। लोग कहते हैं कि हम एलोपैथी के विरोधी हैं, लेकिन यह गलत है। हम एलोपैथी से भी सिंपैथी (सहानुभूति) रखते हैं, लेकिन केवल नितांत जरूरत होने पर।

, उन्होंने जोर देकर कहा कि गैर–जरूरी दवाइयां, गैर–जरूरी ऑपरेशन और गैर–जरूरी टेस्टिंग की संस्कृति को खत्म करना समय की मांग है। गुरुवार को पतंजलि इमरजेंसी एंड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल के लोकार्पण अवसर पर स्वामी रामदेव ने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसका उद्घाटन किया। उन्होंने इसे चिकित्सा के क्षेत्र में ऐतिहासिक दिन बताया। स्वामी रामदेव ने कहा कि पतंजलि में इतिहास का पहला इंटीग्रेटेड हॉस्पिटल, इंटीग्रेटेड ट्रीटमेंट सिस्टम और विश्व का पहला हाइब्रिड हॉस्पिटल शुरू हुआ है। उनका दावा है कि यहां 90 से 99 प्रतिशत रोगों का उपचार आयुर्वेद, नेचुरोपैथी, योगकर्म, पंचकर्म, पंचमहाभूत चिकित्सा, उपवास और उपासना के जरिये किया जाएगा।

मानवता को दिशा देने वाला आध्यात्मिक प्रकाशस्तंभ है ऋषिकेश: धीरेंद्र शास्त्री

ऋषिकेश। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि ऋषिकेश केवल योग और साधना की भूमि नहीं, बल्कि मानवता को दिशा देने वाला वैश्विक आध्यात्मिक केंद्र है। गुरुवार को परमार्थ निकेतन पहुंचे आचार्य धीरेंद्र का शंखध्वनि, वेदमंत्रोच्चार और पुष्पवर्षा के साथ भव्य स्वागत किया गया। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती से भेंट के दौरान उन्होंने सनातन धर्म की जीवंत परंपरा, युवा पीढ़ी को आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने, राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना और सेवा को साधना बनाने जैसे विषयों पर गहन मंथन किया। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने श्रीराम लला प्रतिष्ठा–2026 के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 22 जनवरी भारत की आत्मा और सनातन चेतना के पुनर्जागरण का महापर्व है। उन्होंने कहा कि श्रीराम भारत के प्राण हैं, मर्यादा, करुणा, धर्म और राष्ट्रभक्ति के शाश्वत प्रतीक हैं। श्रीराम लला प्रतिष्ठा का यह दिन देशवासियों के जीवन में सद्भाव, एकता और नैतिक बल को और

जो सेवा, समर्पण और संकल्प की प्रेरणा देता है। उन्होंने आगामी सामूहिक कन्या विवाह महोत्सव का पावन निमंत्रण स्वामी चिदानंद सरस्वती को प्रदान किया। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि सामूहिक कन्या विवाह जैसे आयोजन सनातन संस्कृति की सामाजिक संवेदनशीलता और करुणा का जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन निश्चित रूप से निर्धन परिवारों की बेटियों को सम्मान और सुरक्षा देता है, साथ ही समाज में समरसता और सहयोग की भावना को भी सशक्त करेगा। उन्होंने बागेश्वर धाम कैंसर अस्पताल, मेडिकल एंड साइंस रिसर्च इंस्टीट्यूट की प्रगति के विषय में विस्तार से जानकारी ली। आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अस्पताल की वर्तमान स्थिति, भावी योजनाओं और सेवा–उद्देश्य से अवगत कराया।

77वें गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली अलर्ट

दिल्ली पुलिस के पोस्टर्स में दिखा एक्यूआईएस आतंकी मोहम्मद रेहान

नई दिल्ली , 77वें गणतंत्र दिवस समारोह से पहले राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस और खुफिया एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं। इसी कड़ी में दिल्ली पुलिस ने जारी किए गए अलर्ट पोस्टरों में अल–कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट से जुड़े आतंकवादी मोहम्मद रेहान की तस्वीर शामिल की है। यह पहली बार है जब किसी स्थानीय अल–कायदा आतंकी की तस्वीर गणतंत्र दिवस से पहले जारी किए गए सुरक्षा अलर्ट पोस्टरों में प्रमुखता से प्रकाशित की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मोहम्मद रेहान दिल्ली का रहने वाला है और लंबे समय से दिल्ली पुलिस व खुफिया एजेंसियों को उसकी

तलाश है। उसे प्रतिबंधित आतंकी संगठन क्तहूस् का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है ।गणतंत्र दिवस समारोह से पहले खुफिया एजेंसियों से प्राप्त संभावित आतंकी खतरों की सूचनाओं के मद्देनजर कर्तव्य पथ और पूरे नई दिल्ली जिले में बहुस्तरीय, तकनीक आधारित सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। नई दिल्ली जिले के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त देवेश कुमार महाला के अनुसार, कर्तव्य पथ क्षेत्र में दिल्ली पुलिस, अर्धसैनिक बलों और अन्य सुरक्षा एजेंसियों का मजबूत सुरक्षा घेरा तैनात किया गया है। पूरे इलाके में सीसीटीवी कैमरों के व्यापक नेटवर्क के साथ उन्नत फेस रिकॉग्निशन सिस्टम के जरिए निगरानी की जा रही है ।उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय समारोह के दौरान करीब 10 हजार पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अब तक नौ बार जमीनी स्तर पर ब्रीफिंग की जा चुकी है। पैदल आवाजाही करने वाले लोगों को कम से कम तीन स्तरों पर डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर से गुजरना होगा। इसके अलावा एंटी–ड्रोन यूनिट और ऊंची इमारतों पर स्नाइपर्स की टीमें भी तैनात की गई हैं इस वर्ष गणतंत्र दिवस समारोह राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत की सांस्कृतिक विविधता को विशेष रूप से प्रदर्शित करेगा। अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पीओके में की गई भारतीय सेना की सटीक कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहली गणतंत्र दिवस परेड होगी।

नेशनल हाईवे–30 पर दर्दनाक हादसा, आमने–सामने टकराए दो ट्रक, तीन की मौत

कांकेर , जिले में नेशनल हाईवे–30 पर गुरुवार तड़के एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। चारामा थाना क्षेत्र के ग्राम रतेसरा के पास करीब सुबह 3 बजे तेज रफ्तार में आ रहे दो ट्रक आमने–सामने भिड़ गए। इस भयावह टक्कर में ट्रक में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों ट्रक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। टक्कर के बाद हाईवे पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घटना की जानकारी मिलते ही हाईवे पेट्रोलिंग टीम और चारामा पुलिस मौके पर पहुंची। जेसीबी और अन्य भारी मशीनों की मदद से क्षतिग्रस्त ट्रकों को सड़क से हटाने का कार्य किया जा रहा है, ताकि यातायात को जल्द से जल्द बहाल किया जा सके। गौर करने वाली बात यह है कि इसी स्थान पर दो दिन पहले भी एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो चुकी है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने इस इलाके में सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मृतकों की पहचान की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

ग्राम बरा में तीन नकाबपोशों ने दिया लूट को अंजाम

रुद्रपुर। नकाबपोश बदमाशों ने मुंगफली व्यापारी के परिवार को गनपॉइंट पर बंधक बनाकर 87 हजार लूटे किच्छा। थाना पुलभट्टा क्षेत्र के ग्राम बरा में बुधवार की रात नकाबपोश बदमाशों ने सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। तीन नकाबपोश बदमाशों ने दीवार कूदकर मुंगफली के थोक व्यापारी नरेश कुमार प्रजापति के घर में घुसकर पूरे परिवार को तमंचे की नोक पर बंधक बना लिया। मारपीट कर 87 हजार रुपये नकद तथा सोने–चांदी के जेवरात लूट लिए। घटना की जानकारी के अनुसार नरेश कुमार प्रजापति पुत्र राम प्रसाद निवासी ग्राम बरा हैं। बुधवार रात्रि करीब 12 बजकर 40 मिनट पर तीन नकाबपोश बदमाश उनके घर की दीवार फांदकर अंदर घुसे। उन्होंने घर के कमरे में सो रहे नरेश कुमार, उनकी पत्नी प्रेमवती देवी, पुत्र वासुदेव और पुत्री वंशिका को तमंचे दिखाकर बंधक बनाया। बदमाशों ने

परिवार के सदस्यों को जमकर पीटा और घर में रखे 87 हजार रुपये नकद तथा जेवरात लूट लिए।लगभग 40 मिनट तक लूटपाट करने के बाद बदमाशों ने परिवार को कमरे में बंद कर दिया और मौके से फरार हो गए। नरेश कुमार ने खिड़की तोड़कर बाहर निकलकर तत्काल पुलभट्टा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलभट्टा थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

अफसरों और बिल्डर माफिया की मिली-भगत से बर्बाद हो गई सुखना झील

सुप्रीमकोर्ट की हरियाणा सरकार को चेतावनी– पुरानी गलतियां न दोहराएं

नई दिल्ली ,अरावली पहाड़ियों के संरक्षण से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ की पहचान मानी जाने वाली ऐतिहासिक सुखना झील की दयनीय स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। सवोच्च अदालत ने झील के सूखने और उसके अस्तित्व पर मंडरा रहे खतरे के लिए सीधे तौर पर अवैध निर्माण को जिम्मेदार ठहराया है। अदालत का रुख इतना सख्त था कि उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों और बिल्डर माफिया के गठजोड़ ने इस प्राकृतिक धरोहर को बर्बाद कर दिया है।

सीजेआई सूर्यकांत ने लगाई कड़ी फटकार

मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने हरियाणा सरकार को आड़े हाथों लिया। सीजेआई ने बेहद तल्ख टिप्पणी करते हुए सवाल पूछा कि राज्य के अधिकारियों और बिल्डर माफिया की मिलीभगत के कारण आप सुखना झील को और कितना सुखा देंगे? कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि आप लोगों ने अपने निहित स्वार्थों और मिलीभगत के चलते इस झील को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। कोर्ट की यह टिप्पणी अवैध निर्माण और अनियंत्रित शहरीकरण के कारण पर्यावरण को हो रहे नुकसान की गंभीरता को दर्शाती है।

पुरानी गलतियों से सबक लेने की नसीहत

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान हरियाणा सरकार को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वह पिछली गलतियों को न दोहराए।

खड़ी कार बनी आग का गोला

हल्द्वानी। रामपुर रोड किनारे खड़ी एक इनोवा कार में गुरुवार सुबह आग लग गई। चंद मिनटों में ही कार जलकर राख हो गई। आग लगने का कारण प्रथमदृष्टया शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। गनीमत रही कि घटना के दौरान कार के अंदर कोई नहीं था। अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग की लपटों पर काबू पाया। कोहली गार्डन निवासी गुरप्रीत सिंह गुरुवार सुबह दवा लेने रामपुर रोड पर एक वैद्य के पास आए थे। उन्होंने अपनी इनोवा कार फुटपाथ पर पार्क की और वैद्य के पास चले गए। इसी दौरान कार में आग लग गई और कुछ ही देर में लपटें फैल गईं। अफरातफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने पानी की बौछार कर लपटों पर काबू पाया। एफएसओ मिंदर पाल सिंह ने बताया कि आग लगने की वजह बैटरी का फटना या शॉर्ट सर्किट हो सकता है।

इस्पात संयंत्र में बड़ा हादसा, 6 मजदूरों की मौत, 5 की हालत गंभीर

बलौदाबाजार ,छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में इस्पात संयंत्र में गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया, जहां क्लिनिकल फर्नेस के दौरान जोरदार ब्लास्ट में छह मजदूरों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे के बाद संयंत्र परिसर में अफरा–तफरी मच गई। यह घटना भाटापारा ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम बकुलाही स्थित प्लांट में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही बलौदाबाजार कलेक्टर दीपक सोनी सहित भाटापारा ग्रामीण पुलिस के साथ ही बलौदाबाजार से पुलिस बल तत्काल मौके पहुंच गए हैं. जानकारी के मुताबिक, घायलों को पहले भाटापारा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद

उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बिलासपुर रेफर किया गया है। कलेक्टर दीपक सोनी औ स्क्र भावना गुप्ता ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हादसे में छह लोगों की मौत हुई है और पांच घायल हैं। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई है। फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। संयंत्र प्रबंधन से भी पूछताछ की जा रही है। इस्पात संयंत्र में हुए हादसे पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने गहरा शोक व्यक्त किया है। क्लिनिकल फर्नेस के दौरान हुए विस्फोट में श्रमिकों के असामयिक निधन को अत्यंत दुःखद बताते हुए उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति और शोकाकुल परिवारजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हादसे में गंभीर रूप से घायल श्रमिकों को बेहतर उपचार के लिए सिम्स, बिलासपुर में भर्ती कराया जा रहा है।

सम्पादकीय

मौजूदा नेतृत्व का विकल्प नहीं

उत्तराखंड की राजनीति की एक विशेषता है कि चाहे यहां बहुमत की सरकार ही क्यों ना हो लेकिन मुख्यमंत्री बदलने की चर्चाएं अक्सर चलती ही रहती है। हालांकि इसके पीछे एक ऐसा अतीत भी है जिसे मुख्यमंत्री को लगातार बदलते हुए भी देखा है। ठीक वैसा ही इन दोनों भी उत्तराखंड में नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाओं को लेकर चर्चाएं चल रही है। कुछ तथाकथित संत 2027 से पहले उत्तराखंड का मुख्यमंत्री बदलने की बात कर रहे हैं तो कहीं किसी भी विधायक का दिल्ली दौरा करना नई चर्चाओं को जन्म देने लगता है। आज से दस साल पहले उत्तराखंड में एक ज्योतिषी स्वर्गीय बेजान दारूवाला जी आए और उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि हरीश रावत 2017 का चुनाव जीत कर मुख्यमंत्री बनने वाले हैं लेकिन हरदा दोनों सीटों पर हार गए। अलग–अलग लोग और भविष्यवक्ता उत्तराखंड की राजनीति में अनुमान लगाते रहते हैं लेकिन यह अनुमान बेकार साबित हो रहे हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुरस्कार सिंह धामी को हटाने की चर्चाएं तो उनके सीएम बनने के बाद से ही चलती आ रही है लेकिन उन्होंने ऐसी सभी बातों निर्गुण साबित करते हुए भाजपा के अब तक के सभी मुख्यमंत्री के सबसे अधिक कार्यकाल का समय व्यतीत कर लिया है। भाजपा का केंद्रीय संगठन ऐसी स्थिति में जब 2027 की विधानसभा चुनाव निकट हो मुख्यमंत्री बदलने की कोशिश नहीं करेगा। केंद्र में धामी की उनकी पकड़ और राज्य के लोगों के लिए हर वक्त मौजूद रहना ऐसी चर्चाओं को बेकार साबित कर रहा है। जनवरी 2026 निकल चुका है और दिसंबर 2026 तक आचार संहिता लगने की संभावना है। ऐसे में भाजपा के पास कुछ ही महीनों का प्रभावी समय बचता है। इस समयावधि में मुख्यमंत्री बदलना न तो प्रशासनिक रूप से व्यावहारिक है और न ही भाजपा की स्थापित राजनीतिक रणनीति का हिस्सा। भाजपा केंद्रीय संगठन किसी भी राज्य में मुख्य मंत्री बदलने की संभावना पर तभी विचार करता है जब परिस्थितियों काबू से बाहर हो जाए या फिर प्रशासनिक अमला मुख्यमंत्री के प्रभाव में ना हो, उत्तराखंड में ऐसी स्थिति नहीं है। अब चाहे इसे मोदी अमित शाह के चेहरे का प्रभाव कहें या फिर भाजपा की ताकत, लोकसभा से लेकर नगर निगम नगर निकाय पंचायत चुनाव तक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में कई बड़ी सफलताएं प्राप्त की गई है। दो उपचुनाव को छोड़ दे तो अन्य चुनाव भाजपा के पक्ष में रहे हैं। प्रशासनिक कार्यों से लेकर जनता के बीच जाने में मुख्यमंत्री धामी क्षेत्रियवाद के विवाद से भी बचाने में सफल रहे हैं, और ऐसा कभी नजर नहीं आया कि उनके कार्यकाल में कुमायूं बाद हावी रहा हो। सबसे अहम कारण यह है कि अगर सैद्धांतिक रूप से नेतृत्व परिवर्तन की संभावना मानी भी जाए, तो ऐसा कोई नया चेहरा नहीं है जिसके सामने एंटी–इनकंबेंसी न खड़ी हो। फिलहाल तो केंद्रीय कमान और प्रदेशिक संगठन के पास भी ऐसा कोई चेहरा मौजूद नहीं है जो मौजूदा मुख्यमंत्री का विकल्प बन सके। भाजपा 2027 में दस साल की सत्ता के बाद चुनाव लड़ने जा रही है, इसलिए पार्टी फिलहाल नेतृत्व परिवर्तन की संभावना पर विचार भी नहीं करना चाहेगी। बाकी उत्तराखंड में चाहे सरकार किसी की भी हो नेतृत्व परिवर्तन हर सरकार के कार्यकाल का एक महत्वपूर्ण और चर्चित विषय रहा है।

कार्यान्वयन और परिणाम प्रबंधन

अवसंरचना परियोजनाओं में सहयोगात्मक संघवाद को मजबूत करना रहा है। केंद्र और राज्यों के बीच नियमित व विभिन्न स्तरों पर संवाद ने कार्यान्वयन के माहौल को बदल दिया है, विशेष रूप से उन परियोजनाओं के लिए जो कई क्षेत्रों में फैली होती हैं। यह मॉडल संवैधानिक भूमिकाओं का सम्मान करता है और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के लिए सामंजस्य सुनिश्चित करता है। राज्य अब केंद्रीय प्रायोजित परियोजनाओं के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं हैं, बल्कि योजना, कार्यान्वयन और परिणाम प्रबंधन में सक्रिय साझेदार हैं। इसका परिणाम है – तेज सहमति निर्माण, कम कानूनी विवाद और जमीन पर सुचारु क्रियान्वयन। उद्योग जगत के दृष्टिकोण से, यह पूर्वानुमान क्षमता कार्यान्वयन जोखिम को कम करती है। नीतिगत दृष्टिकोण से, यह भारत की संघीय कार्यान्वयन क्षमता में विश्वास को मजबूत करती है।

विनायक

पिछले दशक में, भारत के अवसंरचना परिदृश्य में एक संरचनात्मक बदलाव हुआ है–ऐसा बदलाव, जो केवल परिसंपत्ति निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशासन और सेवा अदायगी की संरचना तक विस्तारित है। पिछले चरणों की तुलना में इस दौर की विशेषता सिर्फ निवेश के पैमाने या कार्यान्वयन की गति से ही संबंधित नहीं है, बल्कि इस बात में भी है कि एक सुसंगत, परिणाम–उन्मुख प्रणाली उभर रही है, जो नीतिगत उद्देश्य, संघीय सहयोग और जमीन पर कार्यान्वयन के अनुरूप है।

आज, भारत निर्णायक रूप से एक प्लेटफॉर्म–आधारित प्रशासन मॉडल की ओर आगे बढ़ रहा है–एक ऐसा मॉडल, जो अवसंरचना को अलग–अलग परियोजनाओं के समूह के बजाय एकीकृत राष्ट्रीय प्रणाली के रूप में देखता है।

अलग–अलग परियोजनाओं के बजाय, प्रणाली की सहायता से पैमाने का विस्तार

इस बदलाव का स्पष्ट प्रमाण है – राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार, जो 2014 के लगभग 91,000 किमी से बढ़कर 2024 में 1.46 लाख किमी से अधिक हो गया है। निर्माण की गति में हुई वृद्धि का भी समान महत्व है, जो लगभग 12 किमी प्रति दिन से बढ़कर 34 किमी प्रति दिन से अधिक हो गई है।

इस गति को अक्सर एक तकनीकी उपलब्धि माना जाता है। वास्तव में, यह परियोजनाओं के विभिन्न पहलुओं का सहज रूप से समन्वय करने के बारे में है। यह एक ऐसी प्रणाली को प्रतिबिंबित करता है, जहाँ बाधाओं का पूर्वानुमान लगाया जाता है और समय पर समाधान किया जाता है।

सार्वजनिक नीति के दृष्टिकोण से, परियोजनाओं के तेजी से पूरे होने का सीधा मतलब है – सामाजिक और आर्थिक लाभों की जल्द प्राप्ति – गांव, बाजारों से जुड़ते हैं, स्वास्थ्य और शिक्षा तक आसान पहुँच की सुविधा मिलती है और आपदा राहत गतिविधि एवं राष्ट्रीय सहनीयता मजबूत होती है। यह लॉजिस्टिक लागत को कम करके औद्योगिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जवाबदेही को संस्थागत रूप देना: समीक्षा से समाधान तक

इस दशक की एक प्रमुख विशेषता है – समयबद्ध जवाबदेही को संस्थागत रूप देना। प्रगति (सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन) की शुरुआत से जटिल, अंतर–मंत्रालयी परियोजनाओं के प्रबंधन को एक नयी दिशा मिली।

यहां सबसे महत्वपूर्ण नीति संकेत सांस्कृतिक है: विलंब को अब सामान्य नहीं माना जाता और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से सौंपी जाती है। इसके परिणामस्वरूप, बड़े और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण परियोजनाएं–जो कभी लंबे समय तक सुस्त पड़ी रहती थीं–अब पूर्वानुमान और अनुशासन के साथ प्रगति कर रही हैं।

एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव, अवसंरचना परियोजनाओं में सहयोगात्मक संघवाद को मजबूत करना रहा है। केंद्र और राज्यों के बीच नियमित व विभिन्न स्तरों पर संवाद ने कार्यान्वयन के माहौल को बदल दिया है, विशेष रूप से उन परियोजनाओं के लिए जो कई क्षेत्रों में फैली होती हैं। यह मॉडल संवैधानिक भूमिकाओं का सम्मान करता है और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के लिए सामंजस्य सुनिश्चित करता है। राज्य अब केंद्रीय प्रायोजित परियोजनाओं के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं हैं, बल्कि योजना, कार्यान्वयन और परिणाम प्रबंधन में सक्रिय साझेदार हैं। इसका परिणाम है – तेज सहमति निर्माण, कम कानूनी विवाद और जमीन पर सुचारु क्रियान्वयन।

उद्योग जगत के दृष्टिकोण से, यह पूर्वानुमान क्षमता कार्यान्वयन जोखिम को कम करती है। नीतिगत दृष्टिकोण से, यह भारत की संघीय कार्यान्वयन क्षमता में विश्वास को मजबूत करती है।

विविध प्रारूपों से जुड़ी योजना: परिसंपत्तियों से नेटवर्क तक

भारत की अवसंरचना रणनीति, परिवहन संपर्क से प्रतिस्पर्धा की ओर भी विकसित हो रही है। सड़कों की योजनायें अब केवल अंतिम बिंदुओं के रूप में नहीं, बल्कि व्यापक लॉजिस्टिक्स और परिवहन इकोसिस्टम के रूप में बनायी जा रही हैं।

राजमार्गों का रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और शहरी परिवहन के साथ एकीकरण–जिसका समर्थन राष्ट्रीय योजना रूपरेखाओं, जैसे गति शक्ति द्वारा किया जा रहा है– ने भारत की लंबे समय से मौजूद संरचनात्मक चुनौतियों में से एक: उच्च लॉजिस्टिक्स लागत, का समाधान करना शुरू कर दिया है।

नीति निर्माताओं के लिए, यह बदलाव एक महत्वपूर्ण सबक को रेखांकित करता है: अवसंरचना की दक्षता केवल परिसंपत्ति की गुणवत्ता से नहीं, बल्कि परिसंपत्तियों के बीच समन्वय से निर्धारित होती है। एकीकृत योजना पुनरावृत्ति को कम करती है, सार्वजनिक पूंजी का अधिकतम उपयोग करती है और राष्ट्रीय संपत्तियों के उपयोग में सुधार करती है।

निवेश और उद्योग जगत के लिए भरोसे का लाभ

स्पष्ट नीति, तेज निर्णय चक्र और दिखाई देने योग्य कार्यान्वयन गति ने निवेशकों की धारणाओं को बदल दिया है। भारत में अवसंरचना को एक स्थिर व दीर्घकालिक निवेश की संभावना के रूप में देखा जा रहा है, जिसे संस्थागत निरंतरता और प्रशासनिक संकल्प से समर्थन मिल रहा है। ईपीसी उद्योग के लिए, यह वातावरण प्रौद्योगिकी, यांत्रिकीकरण, सुरक्षा प्रणालियों और कौशल विकास में बड़े निवेश करने की सुविधा देता है। यह कंपनियों को अनिश्चितता का सामना करने के बजाय आत्मविश्वास के साथ बड़े पैमाने की योजना बनाने की अनुमति देता है।

अगले चरण के लिए नीति प्राथमिकताएँ

भारत अवसंरचना विस्तार के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, नीतिगत ध्यान अब मात्रा के बजाय मूल्य की ओर होना चाहिए। प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं:

प्रारंभिक योजना और गुणवत्ता युक्त डीपीआर पर विशेष ध्यान

जीवनचक्र आधारित परियोजना का योजना निर्माण, प्रारंभिक डिजाइन से परिचालन तक में स्थायित्व और सहनीयता शामिल करना, निर्णय समयसीमा को और कम करने के लिए डिजिटल प्रशासन और डेटा एकीकरण

तकनीक का उपयोग करके कार्यान्वयन गुणवत्ता बनाए रखने के लिए राज्य और स्थानीय स्तर पर क्षमता निर्माण

गति और वित्तीय विवेक को संतुलित करने वाली जोखिम–साझाकरण व्यवस्था

सभी जीवनचक्रों में कौशल विकास

भारत की अवसंरचना यात्रा को अब इरादे या कार्यक्षमता की कमी से रोका नहीं जा सकता है। आगे का कार्य इन प्रणालियों को और गहरा करना, संस्थागत निरंतरता की रक्षा करना, और यह सुनिश्चित करना है कि अवसंरचना समावेशी, प्रतिस्पर्धी और मजबूत विकास के लिए एक आधार के रूप में कार्य करती रहे।

भारत को जरूरी बुनियादी ढांचा खड़ा करना होगा

हरिशंकर व्यास

इस साल गणतंत्र दिवस के मौके पर यूरोपीय संघ के दो शीर्ष नेता या पदाधिकारी मुख्य अतिथि है। यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो लुईस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लियेन मुख्य अतिथि हैं। 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस की परेड के अगले दिन 27 जनवरी को बताया जा रहा है कि दोनों के बीच व्यापार संधि हो सकती है। यह भारत की स्वतंत्र व व्यापार नीति के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। ध्यान रहे भारत पहले ही ब्रिटेन के साथ व्यापार संधि कर चुका है और ब्रिटेन व यूरोपीय संघ से इतर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ भी व्यापार संधि की है। लेकिन सवाल है कि इससे भारत को क्या बड़ा बाजार मिल रहा है और भारत किन उत्पादों का निर्यात करके इन संधियों का अधिकतम लाभ उठा सकता है?

ध्यान रहे इससे पहले जब भी किसी व्यापार संधि की खबर आती है तो बाहर से आने वाली चीजों के भारत में सस्ता होने की खबर उसमें होती है। जैसे न्यूजीलैंड के साथ व्यापार संधि होने की खबर आई तो बताया गया कि वहां के सेब, कीवी आदि फल, कुछ खास शराब और कुछ डेयरी उत्पाद भारत में सस्ते हो सकते हैं। भारत की ओर से न्यूजीलैंड को क्या बेचा जाएगा और उससे भारत को कितनी विदेशी मुद्रा प्राप्त होगी, यह बड़ा सवाल है। यह सब जानते हैं कि भारत के लोग उपभोक्ता हैं। भारत 140 करोड़ लोगों का बाजार है। उस बाजार में दुनिया भर के देश अपना माल खपाना चाहते हैं। लेकिन भारत के पास क्या माल है, जिसे वह विश्व बाजार में खपा सकता है? क्या भारत इन संधियों का पूरा फायदा उठाने के लिए तैयार भी है या फिर ये संधियां सिर्फ दिखावा है?

यह सवाल इसलिए भी है क्योंकि ब्रिटेन से लेकर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड तक भारत व्यापार संधि तो कर रहा है लेकिन इन देशों में भारतीयों के प्रति नफरत बढ़ती दिख रही है। भारतीयों के खिलाफ घृणा अपराधों में बेहिसाब बढ़ोतरी हो रही है। भारतीय मूल के लोगों के साथ साथ छात्र भी निशाने पर हैं। एक तरफ जर्मनी या दूसरे देशों के साथ भारतीयों के लिए वीजा के नियम आसान करने की बात हो रही है तो दूसरी ओर उन देशों में भारतीयों पर हमले तेज हो रहे हैं। व्यापार संधि करते हुए हमेशा इस पहलू का ध्यान रखना चाहिए।

बहरहाल, अगर भारत तैयारी करे तो यूरोपीय संघ के साथ व्यापार संधि का बड़ा लाभ उसे मिल सकता है। लेकिन अभी तक मेक इन इंडिया अभियान कुल मिला कर असेंबल इन इंडिया बन कर रह गया है। भारत में स्टार्ट अप योजना के 10 साल पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है और मेक इन इंडिया के भी लगभग एक दशक हो गए हैं लेकिन इनसे ऐसा कुछ नहीं बना है कि भारत दुनिया के बाजार में अपना परचम लहरा सके। चीन अब भी दुनिया की फैक्टरी बना हुआ है।

दुनिया के देशों के साथ उसका ट्रेड सरप्लस 1.2 ट्रिलियन डॉलर है यानी भारत की जीडीपी के लगभग एक तिहाई के बराबर इसका विदेशी व्यापार का सरप्लस है। सो, इस बात का ध्यान रखना होगा कि हर देश के साथ मुक्त व्यापार की संधि भारत के लिए व्यापार घाटा बढ़ाने वाली नहीं हो। कहीं ऐसा न हो कि देश के 140 करोड़ लोगों को सस्ती चीजें तो मिलें लेकिन भारत पूरी तरह से उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था बन जाए। मुक्त व्यापार संधियों का लाभ लेने के लिए भारत में विनिर्माण सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा खड़ा करना होगा।

भारतीय छात्रों को एक और झटका

जिन देशों में पहले भारतीय छात्रों को प्रतिभाशाली एवं शिष्ट समझा जाता था, वहां उनके प्रति नजरिया क्यों बदल गया है? भारतीय छात्र जाकर वहां की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं। फिर भी उनकी एंट्री क्यों कठिन होती गई है। विदेश जाकर पढ़ने की हसरत रखने वाले भारतीय छात्रों को एक और झटका लगा है। इस बार खबर ऑस्ट्रेलिया से आई है, जहां भारतीय छात्रों की वीजा अर्जी को उच्चतम जोखिम श्रेणी में डाल दिया गया है। इस फैसले के साथ ऑस्ट्रेलिया ने भारत को उसी श्रेणी में रख दिया है, जहां पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल पहले से हैं। उन्होंने इसका कारण बताया है– भारतीय छात्रों की 'विश्वसनीयता संबंधीझ्र बढ़ा जोखिम। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक भारत में फर्जी डिग्री संबंधी घोटालों के हुए खुलासों की अंतरराष्ट्रीय मीडिया में खूब चर्चा हुई। अब उसका नतीजा सामने आया है। इसके पहले भारतीय छात्रों के लिए कनाडा और ब्रिटेन जाना भी कठिन हुआ है।

पिछले वर्ष कनाडा ने भारतीय छात्रों के लिए जारी होने वाले वीजा में 31 प्रतिशत कटौती की। साथ ही जीवन यापन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी गई। ब्रिटेन में भारतीय छात्रों के लिए वीजा एवं ई–वीजा शुल्क में बढ़ोतरी की गई है। साथ ही अब सिर्फ पीएचडी और रिसर्च छात्र ही अपने जीवनसाथी या बच्चों को ब्रिटेन ले जा सकेंगे। वीजा पाने के लिए आमदनी का पहले से अधिक बड़ा स्रोत उन्हें दिखाना होगा। अमेरिका में तमाम विदेशी छात्रों के लिए हालात जिस तरह बिगड़े हैं, वे अब रोजमर्रा की सुर्खियां हैं। उनसे भी सबसे ज्यादा प्रभावित भारतीय छात्र ही हुए हैं।

मुद्दा यह है कि जिन देशों में अभी कुछ वर्ष पहले तक भारतीय छात्रों को प्रतिभाशाली एवं शिष्ट समझा जाता था, वहां उनके प्रति नजरिया क्यों बदल गया है? विदेशी छात्र उन तमाम देशों के शिक्षा क्षेत्र में आय का बड़ा स्रोत हैं। भारतीय छात्र भी वहां जाकर अपना ही पैसा खर्च करते हैं। इसके बावजूद उनकी एंट्री कठिन बना दी गई है। क्या इसका संबंध उन देशों में भारत की बदली छवि से है? या वहां भारतीयों के व्यवहार ने स्थानीय आवाम एवं सरकारों के कान खड़े किए हैं? भारतवासियों को इन प्रश्नों पर गंभीरता से आत्म–निरीक्षण करना चाहिए। कोई भी देश अपने यहां किसे किन शर्तों पर आने देगा, यह तय करना उसका अधिकार है। भारतीयों अगर वहां जाना है, तो उन्हें उनकी कसौटियों पर खरा उतरना होगा।

भूमि पेडनेकर की सीरीज दलदल का टीजर रिलीज

प्राइम वीडियो ने अपनी हिंदी क्राइम थ्रिलर सीरीज दलदल की दुनिया भर में प्रीमियर की तारीख 30 जनवरी घोषित की, साथ ही एक जबरदस्त, खौफनाक टीजर भी जारी किया. विष धमिजा की बेस्टसेलिंग किताब भेंडी बाजार पर आधारित दलदल एबंडेंशिया एंटरटेनमेंट का प्रोडक्शन है. इसे सुरेश त्रिवेणी ने सीरीज के लिए तैयार किया है और विक्रम मल्होत्रा तथा सुरेश त्रिवेणी ने इसे प्रोड्यूस किया है. इसका निर्देशन अमृत राज गुप्ता ने किया है और कहानी त्रिवेणी के साथ श्रीकांत अग्निस्वरन, रोहन डिसूजा, प्रिया सग्गी और हुसैन हैदरी ने लिखी है. मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित, यह सीरीज मुंबई क्राइम ब्रांच की नवनियुक्त डीसीपी रीता फरेरा की कहानी है, जिसका किरदार भूमि पेडनेकर ने निभाया है, क्योंकि वह जीवित रहने के एक उच्च जोखिम वाले खेल में खुद को एक निर्दयी हत्यारे का सामना करती हुई पाती है. भूमि पेडनेकर के साथ, सीरीज में समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं. दलदल का प्रीमियर 30 जनवरी को पूरे भारत में और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर होगा.दलदल की कहानी डीसीपी रीटा फरेरा के इर्द–गिर्द घूमती है. रीटा एक ऐसी पुलिस अधिकारी हैं जो न्याय के लिए समर्पित हैं, लेकिन अपने अतीत की गलती और अंदर के डर से परेशान भी हैं और वह एक बेरहम कातिल का पीछा करने के एक खौफनाक मिशन में फंस जाती है. टीजर दर्शकों को एक ऐसे दुनिया में ले जाता है जहां हिंसा और मानसिक डर सिर्फ चौंकाने वाला नहीं है, बल्कि लंबे समय तक असर डालता है.

अफगानिस्तान ने वेस्टइंडीज को दूसरे टी20 में भी दी मात, सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

दुबई, टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज दुबई में तीन मैचों की टी20 सीरीज खेल रहे हैं. जहां अफगानिस्तान ने पहले दो मैच जीतकर दो बार की टी20 चैंपियन वेस्टइंडीज को वर्ल्ड कप से पहले बड़ा रियलिटी चेक दिया है. दुबई में खेले गए पहले मैच मे उन्हे 38 रनों से हरा का सामना करना पड़ा था जबकि दूसरे मैच में भी उन्हें 39 रनों से हार झेलनी पड़ी है. जिसके साथ अफगानिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2–0 की अजेय बढ़त बना ली है. मैच की बात करें तो टॉस हारने के बाद अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाजी की दावत मिली. जिसके बाद उन्होने सिद्दीकुल्लाह अटल और दरवेश रसूली की फिफ्टी की बदौलत अपनी टीम का स्कोर 189/4 तक पहुंचा दिया. 190 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की बैटिंग लाइन अप को अफगानी स्पिनर मुजीब उर रहमान ने चार विकेट लेकर तहस–नहस कर दिया. जिसमें उन्होंने अपने दो स्पेल में हैट्रिक भी ली. जिसकी वजह से वेस्टइंडीज के पूरी टीम 18.5 ओवर में 150 रनों पर ही ढेर हो गई. अफगानिस्तान की तरफ से सदीकुल्ला अटल ने 42 गेंद में 53 रन और दवरिश रसूली ने 39 गेंद में 68 रनों की शानदार पारी खेली, दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 115 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी भी की.

भारतीय टीम ने टी20 में रचा इतिहास, सबसे ज्यादा बार बनाए 200 से ज्यादा के स्कोर

नागपुर (महाराष्ट्र), टीम इंडिया ने नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में 238 रन बनाकर इतिहास रच दिया. टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ये भारतीय टीम का 44वीं बार 200 से ज्यादा का स्कोर था, जो कि एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है. इनमें से उन्होंने सिर्फ पांच मैच में हार का सामना करना पड़ा है जबकि 37 बार जीत हासिल की है. भारत का सबसे बड़ा स्कोर 297/6 है, जो उन्होंने 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ बनाया था और उनका सबसे बड़ा सफल चेज 211 रन है. इस फॉर्मेट में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा आठ बार 200 से ज्यादा का स्कोर किया है. उसके बाद बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सात बार, श्रीलंका के खिलाफ छह, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ 5–5 बार, वेस्टइंडीज, आयरलैंड और अफगानिस्तान के खिलाफ 3–3 बार, बांग्लादेश के खिलाफ 2 बार और जिम्बाब्वे और नेपाल के खिलाफ एक–एक बार ये कारनामा किया है. भारत का 44वां 200 से ज्यादा का स्कोर टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा है, जिसने इंग्लैंड की घरेलू टीम समरसेट को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने इस छोटे फॉर्मेट में 40 बार 200 से ज्यादा के स्कोर बनाए हैं. इंटरनेशनल टी20 क्रिकेट में भी भारत सबसे आगे है. जबकि उससे नीचे दूसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका है जिसने 27 बार ये कारनामा किया है.

दो दीवाने सहर में का नया पोस्टर जारी

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की जोड़ी फिल्मी पर्दे पर धमाका करने के लिए तैयार है। उनकी फिल्म दो दीवाने सहर में की घोषणा पिछले महीने की गई थी जिसने लोगों को उत्साहित कर दिया था। अब निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें मृणाल और सिद्धांत के फिल्म के नामों का खुलासा किया गया है। इस फिल्म का निर्माण संजय लीला भंसाली के भंसाली प्रोडक्शन के तहत किया जा रहा है।

निर्माताओं ने दो दीवाने सहर में का पोस्टर जारी करते हुए कैप्शन दिया, ससांक और रोशनी के इश्क से आपको भी इश्क हो जाएगा! पोस्टर में मृणाल और सिद्धांत की एक झलक को एनिमेटेड अंदाज में पेश किया गया है। जहां मृणाल रोशनी नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं, तो वहीं सिद्धांत ससांक का किरदार निभा रहे हैं। दो दीवाने सहर में 20 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।वैलेंटाइन वीक के आसपास, यह फिल्म प्यार के मौसम को एक प्यारी लव स्टोरी के साथ सेलिब्रेट करेगी.

बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा रही चिरंजीवी की फिल्म, 8वें दिन तोड़ा 'वाल्टेयर वीरैया का रिकॉर्ड

अनिल रविपुडी द्वारा निर्देशित और चिरंजीवी स्टारर मना शंकरा वारा प्रसाद गारू बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म कर रही है. यहां तक कि प्रभास की द राजा साब की भी इस फिल्म ने छुट्टी कर दी है. इस फैमिली एंटरटेनर ने रिलीज के पहले हफ्ते में ही 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था. चलिए यहां जानते हैं मंडे टेस्ट में इस फिल्म का कैसा हाल रहा है?मना शंकरा वारा प्रसाद गारू 12 जनवरी को संक्रांति के त्योहार के बीच रिलीज हुई थी. ये फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर दबदबा बनाए हुए है और तमाम बड़ी फिल्मों के बीच ये दर्शकों को सिनेमाघरों में खींचने में कामयाब हो रही है. हालांकि 8वें दिन यानी दूसरे मंडे को इसकी कमाई में भी गिरावट दर्ज की गई और इसने रिलीज के बाद पहली बार सिंगल डिजिट में कमाई की. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मना शंकरा वारा प्रसाद गारूने रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे मंडे को भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 8 करोड़ कमाए हैं.

बाबर आजम बीबीएल को बीच में छोड़कर पाकिस्तान हुए रवाना

सिडनी, पाकिस्तानी बल्लेबाज बाबर आजम ने बिग बैश लीग (बीबीएल 15) को बीच में छोड़कर पाकिस्तान रवाना हो गए हैं. उनकी टी सिडनी सिक्सर्स ने गुरुवार को बताया कि बाबर आजम बिग बैश लीग (बीबीएल 15) के बाकी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे क्योंकि वह आने वाले इंटरनेशनल मैचों की तैयारी के लिए अपनी नेशनल टीम में शामिल होने के लिए पाकिस्तान लौट रहे हैं. सिक्सर्स ने कंफर्म किया है कि डेनियल ह्यूजेस टीम में बाबर की जगह लेंगे और ओपनर के तौर पर टीम में खेलेंगे. सिक्सर्स ने एक बयान में कहा, बाबर आजम को आने वाले इंटरनेशनल मैचों से पहले पाकिस्तान के नेशनल कैंप में शामिल होने के लिए वापस बुलाया गया है. वह बीबीएल 15 फाइनल सीरीज के बाकी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे. बता दें कि बाबर आजम ने मौजूदा बिग बैश लीग में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे. उन्होंने 11 मैचों में सिर्फ 202 रन बनाए. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 103.06 रहा, जो टीम के लिए चिंता का विषय भी था.बाबर आजम ने बीबीएल क्लब में रहने के दौरान अपने सपोर्ट के लिए सभी फैंस को धन्यवाद भी दिया. सिक्सर्स द्वारा एक्स पर शेयर किए गए एक वीडियो में उन्होंने कहा, सबसे पहले, मुझे टीम में शामिल करने के लिए सिडनी सिक्सर्स का बहुत–बहुत धन्यवाद. सभी लड़कों और सभी कोचों के साथ मैंने अपने समय का बहुत आनंद लिया. दुर्भाग्य से, अब मुझे नेशनल ड्यूटी के लिए टीम छोड़नी होगी.उन्होंने आगे कहा, मेरे पास बहुत सी चीजें हैं जो मुझे घर ले जानी हैं. बहुत सी पॉजिटिव चीजें, इसलिए मैंने इसका बहुत आनंद लिया. खासकर, सिडनी सिक्सर्स के फैन्स का धन्यवाद; हमेशा सपोर्ट रहता है, बहुत मज़ा आता है, इसलिए मैंने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में उस माहौल का बहुत आनंद लिया, इसलिए बहुत–बहुत धन्यवाद.

एक नजर

सूरज कुकरेती को मिला जगमोहन भारद्वाज स्मृति सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आर्य गिरधारीलाल महर्षि दयानंद ट्रस्ट की ओर से नशे के खिलाफ कार्य कर रहे सूरज कुकरेती को जगमोहन भारद्वाज स्मृति सम्मान दिया गया। इस दौरान आमजन से नशे से दूर रहकर बेहतर भविष्य पर ध्यान देने की अपील की गई।

नशाबंदी आंदोलन के प्रणेता स्व. जगमोहन भारद्वाज की 74-वीं जयंती पर समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डा. सुरेंद्र लाल आर्य ने किया। उन्होंने कहा कि स्व. जगमोहन भारद्वाज ने सदैव नशें को समाज से खत्म करने के लिए कार्य किया। कहा कि जगमोहन भारद्वाज एक सच्चे समाजसेवी रहे हैं व वे जीवनपर्यंत नशाबंदी के लिए संघर्ष करते रहे। कहा कि वे अखिल भारतीय नशाबंदी परिषद दिल्ली से जुड़े रहे व उत्तराखंड नशाबंदी परिषद के दो दशक से अध्यक्ष रहे। नशाबंदी के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया था। कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है, जिसे जड़ से समाप्त करने की जरूरत है। इस मौके पर धीरजधर बछुवाण, प्रवेश नवानी, प्रकाश कोठारी, ओमप्रकाश बड़थ्वाल, संपत्ति नेगी, कैलाश भारद्वाज, लक्ष्मी देवी, ममता भारद्वाज, निखिल भारद्वाज, नंदलाल धनगर, प्रमोद चौधरी, महेंद्र अग्रवाल, सुदीप बौंठियाल, चित्रमणि देवलियाल, राजेंद्र पंत मौजूद रहे।

मलबे को रिहायशी इलाकों में डालने का विरोध

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गुमखाल क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के दौरान निकलने वाले मलबे को रिहायशी इलाकों में डालने का ग्रामीणों ने विरोध किया है। कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में खतरा पैदा हो गया है। जिससे भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। इस संबंध में ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। बताया कि वर्तमान में गुमखाल-सतपुली राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। चौड़ीकरण के दौरान पहाड़ कटान से निकले मलबे को रिहायशी इलाकों में फेंका जा रहा है। गुमखाल के समीप महाविद्यालय रामागांव, धरगांव, हटनिया, पाली, बैरगांव सहित अन्य गांव को खतरा बना हुआ है। गांव में नाप खेत मकानों को भी खतरा बना हुआ है। साथ ही इससे ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो ग्रामीण आंदोलन को मजबूर होंगे। इस मौके पर कांग्रेस की पूर्व प्रदेश महामंत्री रंजना रावत, बलवीर सिंह रावत, दलीप सिंह रावत, मदन सिंह नेगी, चंद्रमोहन सिंह, नरेंद्र, रमेश चंद्र खंतवाल आदि मौजूद रहे।

अव्यवस्थाओं पर समिति ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सरकारी विभागों में अव्यवस्था व भष्टाचार पर उत्तराखंड विकास समिति ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि सरकार को व्यवस्था में सुधार के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

समिति के अध्यक्ष जानकी बल्लभ मैंदोला के नेतृत्व में बैठक का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि कोटद्वार में कानून संशय भय और अराजकता का माहौल बना हुआ है। नगर में तेजी से फैल रहा नशे का प्रचलन चिंता का विषय है। जिससे युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है। सरकारी विभागों में भष्टाचार चरम पर है। सरकारी भूमि पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा बना हुआ है।

मेडिकल कॉलेज का सपना आज तक धरातल पर नहीं उतर पाया है। कहा कि यदि यही स्थिति रही तो लोगों को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस मौके पर गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, शशिमोहन उनियाल, विजय माहेश्वरी, विपुल उनियाल, कलावती बिष्ट, जशोदा नेगी, दीपा नेगी, धनपाल सिंह, पूरन सिंह नेगी, रश्मि मैंदोला, बृजमोहन ममगांई आदि मौजूद रहे।

न्यायालय के आदेश के बाद भी अतिक्रमण मुक्त नहीं हुआ मार्केट

जिला परिषद मार्केट में पसरे अतिक्रमण के कारण बिगड़ रही व्यवस्था

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में अतिक्रमण नासूर बनता जा रहा है। बावजूद सरकारी सिस्टम इस समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। इसका अंदाजा जिला पंचायत परिषद मार्केट व मालनी मार्केट को देखकर लगाया जा सकता है। जहां जिला पंचायत परिषद पौड़ी ने उच्च न्यायालय के आदेश के बाद अतिक्रमणकारियों को नोटिस तो थमाए लेकिन, आज तक अतिक्रमण हटाने की सुध नहीं ली। नतीजा, अतिक्रमण के कारण व्यवस्थाएं बेपटरी होती जा रही है। मार्केट में आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

कोटद्वार के जिला परिषद मार्केट में सड़क पर सजी दुकानें

करीब डेढ़ वर्ष पूर्व उच्च न्यायालय ने सभी सरकारी विभागों को अपनी नजूल भूमि से अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद जिला पंचायत पौड़ी ने जिला परिषद मार्केट के पचास से अधिक अतिक्रमणकारियों को नोटिस थमाए थे। नोटिस में एक सप्ताह के भीतर अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए गए। लेकिन, समय बीतता चला गया और न ही व्यापारियों ने अतिक्रमण हटाया और न ही सरकारी सिस्टम ने कोई कार्रवाई की। नतीजा, आज भी मार्केट में अतिक्रमण जस का तस बना हुआ हे। व्यापारियों ने सड़क तक सामान लगाया हुआ है। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालक व पैदल चलने वालों को होती है। कई बार मार्ग पर घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है। अव्यवस्थाओं के कारण हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। पूर्व में स्थानीय लोग कई बार अतिक्रमण को हटवाने की मांग भी उठा चुके हैं। बावजूद सिस्टम लापरवाह बना हुआ है।

विवाद की बनी रहती है स्थिति

जिला परिषद मार्केट में सड़क के दोनों ओर दुकानें सजी हुई है। ऐसे में दोपहिया वाहन पार्क करना तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। पर्याप्त रास्ता नहीं मिलने के कारण कई बार विवाद की स्थिति बनी रहती है। यही नहीं मार्ग पर लंबा जाम लगने के बाद भी अतिक्रमणकारी अपना सामान हटाने तक की जहमत नहीं उठाते। पूर्व में शहरवासियों ने समस्या से उपजिलाधिकारी सहित अन्य उच्चाधिकारियों को भी अवगत करवाया था। लेकिन, अधिकारी भी जनसमस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहे। ऐसे में कैसे शहर की व्यवस्थाओं में सुधार होगा यह बड़ा सवाल है।

अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत न्याय पंचायत ढाबखाल में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने अधिकारियों को अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाया।

इस दौरान लोगों को अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। ढाबखाल में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में ग्रामीणों ने पेजयल, सड़क सहित विभिन्न 11 शिकायतें दर्ज कराई, जिसमें से दस का मौके पर निराकरण किया गया। जबकि, शेष समस्याओं के निराकरण के लिए आधिकारियों को निर्देश दिए गए। शिविर की अध्यक्षता कर रहे वन क्षेत्राधिकारी रमेश चंद्र नेगी ने लोगों को सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। कहा कि जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के माध्यम से शासन-प्रशासन जनता के बीच पहुंच कर उनकी समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान कर रहा है, जिससे आमजन को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। ऊर्जा निगम के उपखंड अधिकारी नवीन मैंदोला ने कहा कि विभागीय स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को न केवल विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। बल्कि, पात्र लाभार्थियों को तत्काल लाभ भी उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए उनका समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए।

शिविर में कृषि, उद्यान, स्वास्थ्य, आयुष (आयुर्वेदिक एवं यूनानी), समाज कल्याण, पंचायतीराज, खाद्य पूर्ति, राजस्व विभाग सहित कुल 23 विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। इस मौके पर सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) सुनील कोटनाला, कनिष्ठ उप प्रमुख रिखणीखाल निशा रावत, खंड विकास अधिकारी देवेश पंत, सहायक खंड विकास अधिकारी पीसी असवाल, रोशन नेगी, निक्की आदि मौजूद रहे।

समाज सेवा के लिए बुद्धि बल्लभ व रेखा ध्यानी को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत रोहित अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर उमरावनगर में ग्राम्य एकता प्रगति प्रेमांजलि समागम समिति का वार्षिकोत्सव मनाया गया। इस दौरान समाजसेवा के लिए लेफ्टिनेंट कर्नल (सेनि) बुद्धि बल्लभ ध्यानी व रेखा ध्यानी को डा. जयप्रकाश कंडवाल स्मृति सम्मान दिया गया।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डा. चंद्रमोहन बड़थ्वाल, मोहन लाल ममंगाई, डा. रमाकांत कुकरेती, जगदीश भारद्वाज, कुलदीप नेगी ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

वक्ताओं ने कहा कि गेप्स संस्था पिछले कई वर्षों से सामाजिक क्षेत्र में अपना योगदान दे रही है। प्रतिवर्ष संस्था बड़े स्तर पर पौध रोपण व स्वच्छता अभियान चलाती रहती है। कहा कि हमें समाज में रहने वाले गरीब व असहाय लोगों की मदद के लिए भी कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष नीरजा गौड़ ने गेप्स संस्था के इतिहास व कार्यों में बारे में बताया। संस्था के संस्थापक रामभरोसा कंडवाल सहित अन्य अतिथियों ने शिक्षा व समाज सेवा में कार्य के लिए बुद्धि बल्लभ ध्यानी व रेखा ध्यानी को सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर बेहतर समाज सेवा में योगदान के लिए भी प्रेरित किया गया। इस मौके पर मनमोहन काला, दिनेश ध्यानी, जनार्दन प्रसाद ध्यानी, नंदन सिंह नेगी, जगत सिंह नेगी, जगदीश भारद्वाज, कुलदीप सिंह नेगी, अनुराग कंडवाल, नीरजा गौड़ आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में आयोजित गेप्स संस्था के वार्षिकोत्सव में बुद्धिबल्लभ ध्यानी को सम्मानित करते अतिथि

राकेश ढौंडियाल बनें अभिभावक-शिक्षक संघ के अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अभिभावक-शिक्षक संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में राकेश ढौंडियाल को अध्यक्ष चुना गया। शुक्रवार को महाविद्यालय में आयोजित बैठक में सर्व सम्मति से राकेश ढौंडियाल अध्यक्ष, कुलदीप सिंह रावत उपाध्यक्ष, हीरा देवी सहसचिव, राजेन्द्र प्रसाद को कोषाध्यक्ष चुना गया। बैठक में महाविद्यालय में शैक्षिक गुणवत्ता सुधार व शैक्षिक उन्नयन सामाजिक भागीदारी पर भी चर्चा की गई। साथ ही विद्यार्थियों के अवागमन की समस्याओं, उपस्थिति में सुधार, अभिभावकों की सहभागिता, सत्र में आयोजित की जाने वाली बैठकों, पठन-पाठन और मोटिवेशन पर विचार विमर्श किया गया। प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चंद्र सिंह ने महाविद्यालय और घरों में शैक्षिक वातावरण के निर्माण, सुधार, विद्यार्थियों के लक्ष्य निर्धारण व पत्र-पत्रिकाओं को पढ़ने का व्यवहार विकसित करने पर बल दिया। बैठक में अभिभावक शिक्षक संघ के पूर्व पदाधिकारी, सदस्य और प्राध्यापक मौजूद रहे।

वंचित एवं कमजोर वर्ग को मिले विधिक सेवाओं का लाभ

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी गढ़वाल द्वारा सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव नाजिश कलीम की अध्यक्षता में प्राविधिक स्वयं सेवकों एवं अधिकार मित्रों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। इस मौके पर सचिव ने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जाकर लोगों को उनके कानूनी अधिकारों तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाय, जिससे अधिकाधिक पात्र व्यक्ति इन सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों तक विधिक सेवाओं की जानकारी पहुंचाने पर विशेष बल दिया।

बैठक में माह जनवरी 2026 के प्लान ऑफ एक्शन पर चर्चा करते हुए आगामी विधिक जागरुकता कार्यक्रमों एवं शिविरों के आयोजन, लक्षित वर्गों तक विधिक सेवाओं की पहुंच तथा प्राविधिक स्वयं सेवकों/अधिकार मित्रों की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। सचिव ने स्वयं सेवकों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। आमजन को निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, स्थायी लोक अदालत, मध्यस्थता एवं विधिक जागरूकता अभियानों से जोड़ें। इस अवसर पर चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल कमल प्रसाद बमराड़ा, डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल महेश बलूनी, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल विनोद कुमार, पैनल अधिवक्ता कुसुम नेगी, सदस्य स्थायी लोक अदालत अतुल पोखरियाल सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्र उपस्थित रहे।

पेयजल संकट से आक्रोशित लोगों ने तहसील में किया प्रदर्शन

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर विकासखंड के हिसरियाखाल, पाटाखाल व अकरी पट्टी के करीब 80 से अधिक गांवों के लिए बन रही लक्ष्मोली-हडिमधार पेयजल पुनर्गठन योजना का काम पूरा न होने पर लोगों ने आक्रोश जताया। गुरूवार को लोगों ने ढोल नगाड़ों के साथ तहसील का घेराव किया और सरकार व विधायक के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद वह तीन घंटे तक धरने पर बैठे रहे। ग्रामीणों ने कहा कि सर्दियों में भी पेयजल संकट झेल रहे हैं। विभाग योजना के निर्माण में देरी कर रहा है। उन्होंने एक माह में समस्या का समाधान न करने पर जगदेश्वर महादेव मंदिर में अनशन की चेतावनी दी।गुरूवार को पेयजल संघर्ष समिति हिसरियाखाल के बैनर तले क्षेत्र के ग्रामीण ढोल दमाऊं के साथ नारेबाजी करते हुए तहसील मुख्यालय कीर्तिनगर पहुंचे और घेराव किया। इसके बाद लोग धरने पर बैठ गए। यहां हुई सभा में समिति के अध्यक्ष पीतांबर दत्त बलूनी ने कहा कि आज भी क्षेत्र के लोग पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। योजना से तीन दिन में एक दिन आंशिक रूप से पानी मिल रहा है। कहा कि जल निगम व जल संस्थान बरसात में नदी में गाद आने, गर्मियों में मोटर फुंकने और सर्दियों में नदी में पानी की मात्रा कम होने का हवाला देकर क्षेत्र के लोगों को गुमराह करता आ रहा है। जब से योजना बनी तब से लेकर आज तक कभी भी लोगों को पीने के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पाया है।

टैंकों में भी गंदगी जमा है। प्रधान कुलदीप रावत ने कहा कि जब भी ग्रामीण आवाज उठाते हैं विभाग आश्वासन देता है, लेकिन आज तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य महिपाल बुटोला ने कहा कि पुरानी लक्ष्मोली-हडिमधार पेयजल योजना से क्षेत्र में पेयजल की सुचारु आपूर्ति नहीं हो रही है, जिससे लोग पानी के लिए ठंड के मौसम में भी भटक रहे हैं। विभाग त्यूणा योजना को भी पुनर्जीवित नहीं कर रहा है।

भर्ती रैली में कोटद्वार, सतपुली व लैंसडौन के युवाओं ने दिखाया दम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में चल रही अग्निवीर भर्ती रैली के आठवें दिन कोटद्वार, सतपुली, लैंसडौन के युवाओं ने मैदान में अपना दम दिखाया। रैली के दौरान युवाओं के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सहित अन्य संगठनों की ओर से खाने व रहने की व्यवस्था की गई। मालूम हो कि वर्तमान में कौड़िया विक्टोरिया क्रास के विजेता गबर सिंह कैंप स्थित बलवीर स्टेडियम में भर्ती रैली की प्रक्रिया चल रही है। गुरुवार को कोटद्वार, लैंसडौन सतपुली तीनों तहसील के करीब 1201 युवाओं ने रैली के लिए अपना पंजीकरण करवाया था। गुरुवार तड़के ही कोटद्वार, सतपुली व लैंसडौन के युवा मैदान में पहुंच गए थे। दौड़ मैदान में प्रवेश करने से पूर्व सेना अधिकारियों ने युवाओं के दस्तावेजों की जांच की। युवाओं के आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों की गंभीरता से जांच के बाद उन्हें मैदान में प्रवेश करवाया गया। मैदान में निर्धारित समय पर दौड़ पूरी न करने वाले युवाओं को बाहर कर दिया गया। जबकि दौड़ में सफल रहे युवाओं की शारीरिक दक्षता परीक्षा शुरू हुई। भर्ती स्थल के आसपास काशीरामपुर तल्ला में युवाओं के लिए विभिन्न संगठनों की ओर से रहने व खाने की व्यवस्था बनाई गई।

कोटद्वार में चल रही सेना भर्ती रैली के दौरान शारीरिक दक्षता परीक्षा में प्रतिभाग करते अभ्यर्थी

25 जनवरी को होगा घृत कमल अनुष्ठान

श्रीनगर गढ़वाल : बैकुंठ चतुर्दशी के बाद यह पर्व मंदिर का दूसरा सबसे बड़ा आयोजन है। महंत 108 आशुतोष पुरी ने बताया कि घृत कमल गढ़वाल की सदियों पुरानी परंपरा है। राजकाल में गढ़नरेश की ओर से कमलेश्वर महादेव मंदिर को समर्पित 64 गुंठ गांव इस अनुष्ठान से जुड़े थे। घृत कमल के अवसर पर इन गांवों से अंचला सप्तमी के रूप में गेहूं, मंडुवा, तिल व अन्य अनाज लाए जाते थे। इन्हीं अन्नों से भगवान भोलेनाथ के लिए व्यंजन तैयार कर भोग अर्पित किया जाता था। आज भी उस दौर के पारंपरिक बर्तन मंदिर में सुरक्षित हैं। महंत ने बताया कि यह परंपरा चमोली, पौड़ी, टिहरी, उत्तरकाशी और देहरादून पांच जिलों के 64 गांवों से जुड़ी रही और 1872 तक निभाई जाती रही। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तर भारत में कमलेश्वर महादेव मंदिर एकमात्र ऐसा स्थान है जहां घृत कमल का यह दुर्लभ अनुष्ठान आज भी होता है। (एजेंसी)

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण सूचना

सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा नई पैसेंजर रेलगाड़ी सं. 54356/54355 बरेली जं.-बांदीकुई जं.-बरेली जं. के बीच प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है, जोकि रेलगाड़ी सं. 54462/54461 के स्थान पर संचालित की जाएगी। इस रेल सेवा की समय-सारणी निम्नानुसार होगी।

रेलगाड़ी सं. 54356/54355 बरेली जं.-बांदीकुई जं.- बरेली जं. पैसेंजर (प्रतिदिन)

रेलगाड़ी सं. 54356 आगमन	रेलगाड़ी सं. 54356 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 54355 आगमन	रेलगाड़ी सं. 54355 प्रस्थान
----	21:05	बरेली जं.	06:20	—
21:18	21:20	रामगंगा पुल	05:06	05:08
21:30	21:32	बशारतगंज	04:52	04:54
21:41	21:42	निसोई	04:43	04:44
21:57	21:59	आंवला	04:32	04:34
22:15	22:16	रेवती बहोड़ा खेड़ा	04:23	04:24
22:24	22:26	करेंगी	04:12	04:14
22:34	22:36	दबतारा	04:00	04:02
22:53	22:55	आसफपुर	03:46	03:48
23:03	23:05	सिरसवा	03:36	03:38
23:30	00:30	चन्दौसी जं.	02:25	03:30
00:43	00:45	बहजोई	01:41	01:43
01:13	01:18	बबराला	01:13	01:18
01:26	01:28	राजघाट नरौरा	00:59	01:01
01:36	01:38	डिबाई	00:49	00:51
01:51	01:53	अतरौली रोड	00:34	00:36
02:33	02:35	हरदुआगंज	00:15	00:17
02:43	02:45	मंजूरगढ़ी	00:05	00:07
03:05	03:10	अलीगढ़ जं.	23:40	23:45
03:18	03:19	दाऊद खां	22:59	23:00
03:27	03:28	मंडराक	22:45	22:46
03:37	03:38	सासनी	22:29	22:30
03:47	03:49	हाथरस जं.	22:13	22:15
04:01	04:02	पोरा	21:59	22:00
04:11	04:12	जलेसर रोड	21:48	21:49
04:20	04:21	चमरौला	21:34	21:35
04:28	04:29	बरहन जं.	21:26	21:27
04:45	04:47	मितावली	21:10	21:12
05:00	05:01	एत्मादपुर	20:30	20:32
05:08	05:09	कुबेरपुर	20:14	20:15
05:15	05:16	छलेसर	20:00	20:01
05:26	05:27	यमुना ब्रिज	19:45	19:46
05:55	06:10	आगरा किला	19:20	19:30
06:25	06:27	ईदगाह	19:00	19:02
06:38	06:39	बिचपुरी	17:25	17:26
06:47	06:48	रैभा	17:13	17:14
06:58	07:00	अछनेरा जं.	17:02	17:04
07:08	07:09	चिकसाना	16:51	16:52
07:30	07:32	भरतपुर जं.	16:28	16:30
07:45	07:46	हेलक	16:10	16:12
08:00	08:02	नदबई	15:54	15:56
08:17	08:19	खेरली	15:37	15:39
08:31	08:32	घोसराना	15:25	15:26
08:40	08:42	मण्डावर महुवा रोड	15:16	15:18
08:51	08:52	करणपुरा	15:07	15:08
09:01	09:02	बिवाई	14:58	14:59
09:08	09:09	श्री धासी नगर	14:52	14:53
09:50	----	बांदीकुई जं.	----	14:45

चलने के दिन : 54356 बरेली जं. से प्रतिदिन दिनांक 30.01.2026 (शुक्रवार) से एवं 54355 बांदीकुई जं. से प्रतिदिन दिनांक 31.01.2026 (शनिवार) से।
रचना : सामान्य

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा-हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मोबाइल स्वास्थ्य सेवा का शुभारंभ, ग्रामीण क्षेत्रों को मिलेगा लाभ

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : शुक्रवार को जनपद रुद्रप्रयाग में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए हेल्पेज इंडिया प्रांगण में मोबाइल स्वास्थ्य सेवा का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस मोबाइल स्वास्थ्य सेवा का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी रुद्रप्रयाग डॉ. राम प्रकाश ने किया।

इस अवसर पर जानकारी देते हुए बताया गया कि मोबाइल सचल स्वास्थ्य टीम जनपद रुद्रप्रयाग के अगस्त्यमुनि एवं जखोली विकासखंडों के कुल 20 दूरस्थ एवं ग्रामीण गांवों में जाकर अपनी सेवाएं प्रदान करेगी। इस सेवा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बुजुर्गों एवं जरूरतमंद लोगों को उनके गांव के समीप ही प्राथमिक स्वास्थ्य जांच, परामर्श एवं आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे उन्हें अस्पतालों तक लंबी दूरी तय करने से राहत मिलेगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश ने कहा कि मोबाइल स्वास्थ्य सेवा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

उत्तर रेलवे

अधिसूचना

विषय :- सेवाओं की आवश्यकताओं में सेवा निवृत्त रेल कर्मचारियों की री-इंगेजमेंट परिचालन विभाग मुरादाबाद में।

रेलवे बोर्ड के पत्र सं No. E(NG)II/2024/RC-4/9 dated 15.10.2024 (RBE No. 96/2024) एवं No. E(NG)II/2024/RC-4/9 dated 20.06.2025 (RBE No. 55/2025) के अन्तर्गत यह विनिश्चय किया गया है कि निम्नलिखित पदों में रेल सेवा से सेवा निवृत्त कर्मचारियों को रि- इंगेज किया जाना है, जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

क्रम सं	विभाग	पद का नाम	लेवल	पदों की संख्या
1	परिचालन विभाग	खण्ड नियंत्रक	06	02

अभ्यावेदनो को जमा करने की अंतिम तिथि 10.02.2026 है। अंतिम तिथि 10.02.2026 के बाद प्राप्त अभ्यावेदनो पर विचार नहीं किया जायेगा, अभ्यावेदन निर्धारित प्रपत्र पर भरा हुआ मान्य होगा। आवेदन प्रवर मंडल कार्मिक अधिकारी उत्तर रेलवे मुरादाबाद को रजिस्टर्ड डाक या एकल खिड़की (EGRS) पर दिनांक 10.02.2026 सायं 18.00 बजे तक जमा करा सकते है।

अन्य विस्तृत सूचना एवं जानकारी के लिए N.Rly. website https://nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।

227/2026 सहायक कार्मिक अधिकारी उत्तर रेलवे मुरादाबाद

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल इंजीनियर/III/मुरादाबाद द्वारा ई टेण्डर निम्न टेण्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमान्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेण्डर संख्या दिनांक	284-DRM-MB-25-26 DATE 22.01.2026	291-DRM-MB-25-26 DATE 22.01.2026	292-DRM-MB-25-26 DATE 22.01.2026
कार्य का नाम	AT welding of rails in situ with single shot crucible fitted as per RDSO specifications in connection with track renewal works in the section of Sr.DEN/III/MB	Construction of new running room at ROZA	Annual Repair of Bridge in the Section of SSE/W/RAC under ADEN/SPN
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	18.02.2026 at 16:00 Hrs	16.02.2026 at 16:00 Hrs	18.02.2026 at 16:00 Hrs
अनुमानित लागत	1,49,65,063.50	8,68,64,229.66	84,84,277.49
धरोहर राशि	2,24,800.00	5,79,800.00	1,69,700.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	02.02.2026	02.02.2026	02.02.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 Months	10 Months	12 Months

नं. 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक 22.01.2026 242/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

संपर्क मार्ग की जल्द मरम्मत कराने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय राजमार्ग से चौरास मोटर पुल को जाने वाला संपर्क मार्ग जगह-जगह क्षतिग्रस्त पड़ा है। मार्ग की मरम्मत न किए जाने पर जिला पंचायत सदस्य मढ़ी चौरास निर्मला भंडारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने इस संबंध में निर्माण खंड लोनिवि श्रीनगर के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि चौरास मोटर पुल को जोड़ने वाले इस मार्ग से चौरास क्षेत्र के गांवों के लोग सहित गढ़वाल विवि में पढ़ने वाले छात्र, शिक्षक व कर्मचारी बड़ी संख्या में आवाजाही करते हैं। मगर मार्ग के जगह-जगह ऊबड़-खाबड़ होने से आवागमन में दिक्कतें हो रही हैं। मार्ग पर तेज ढलान व चढ़ाई होने से यह दिक्कतें और भी बढ़ रही हैं। (एजेंसी)

छात्रों को दी सीयूटी प्रवेश परीक्षा की जानकारी

नई टिहरी। एनएचबी गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के एसआरटी परिसर बादशाहीथौल के निदेशक प्रो एए बौडाई के नेतृत्व में परिसर की एक टीम ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज और राजकीय इंटर कॉलेज चंबा में जाकर 12 वीं में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को स्नातक सीयूटी प्रवेश परीक्षा के बारे में जानकारी दी। परिसर निदेशक बौडाई ने बताया कि प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि 30 जनवरी है। टीम में शामिल प्रो केसी पेटवाल, डॉ सना रफी, डॉ हंसराज बिष्ट ने बताया कि अधिकांश छात्र-छात्राओं को सीयूटी परीक्षा के बारे में जानकारी नहीं है। बताया दोनों विद्यालयों के मात्र छह छात्र-छात्राओं ने विवि प्रवेश परीक्षा के फार्म भरे हैं। परिषद निदेशक बौडाई और टीम में शामिल लोगों ने छात्र-छात्राओं को सीयूटी प्रवेश परीक्षा की जानकारी, प्रवेश फार्म भरने, संबंधित विषय का चुनाव करने आदि के बारे में जानकारी दी। परिसर निदेशक ने कहा कि छात्र-छात्राओं को फार्म भरने में किसी प्रकार की कोई परेशानी आती है, वह परिसर के नंबरों अथवा टीम के सदस्यों से बिना संकोच के संपर्क कर सकते हैं। विवि की ओर से गठित टीम शीघ्र घनसाली, प्रतापनगर सहित जिले के विभिन्न विद्यालयों जाकर छात्र-छात्राओं को सीयूटी प्रवेश परीक्षा की जानकारी देने के साथ छात्रों से फार्म भरने की अपील करेगी।

राम मंदिर स्थापना दिवस पर प्रसाद वितरित किया

देहरादून। राम मंदिर स्थापना दिवस पर राज प्लाजा एसोसिएशन द्वारा भव्य कार्यक्रम, प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में राम दरबार की विधिवत पूजा-अर्चना की गई तथा श्रद्धालुओं को फल, छोले और हलवे का प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों भारतीयों की आस्था का प्रतीक है और यह हमें सत्य, मर्यादा व सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

जल जीवन मिशन के कार्यों को समय से पूर्ण करें

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : मुख्य विकास अधिकारी डा. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में गुरुवार को जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने योजना के कार्यों की समीक्षा करते हुए जल संस्थान और पेयजल निगम के अधिकारियों को अवशेष कार्यों में तेजी लाने और समय पर गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

विकास भवन में आयोजित बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने जल संस्थान और पेयजल निगम के अधिकारियों को जल जीवन मिशन की योजनाओं के कार्यों में तेजी लाते हुए शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना को पूर्ण करने में आ रही समस्याओं को लेकर समन्वय स्थापित कर निस्तारण करने की बात कही। साथ ही उन्होंने हर घर जल के तहत राजस्व ग्रामों के पंजीकरण कार्य को पूर्ण कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने

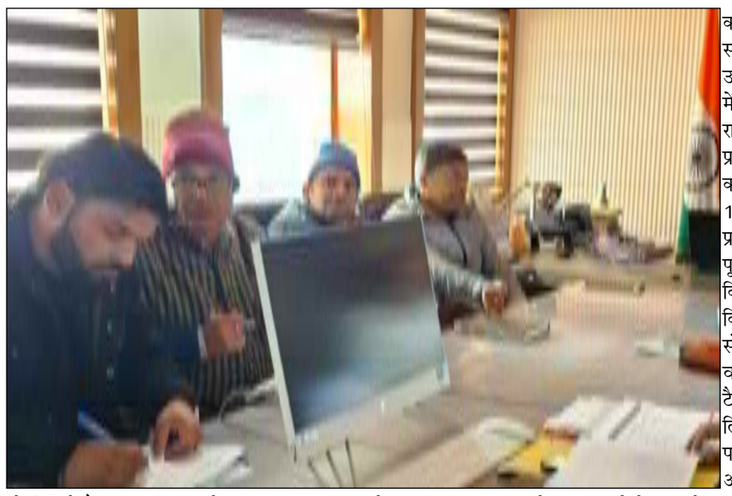

सोर्स जियो टैग की समीक्षा करते हुए जल संस्थान और पेयजल निगम के अधिकारियों को अवशेष 105 सोर्स टैग करने की बात कही। बैठक में जल जीवन मिशन के नोडल और जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता ने जल जीवन मिशन की जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में वर्तमान तक मिशन के तहत 1137 योजनाओं का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जबकि 99 योजनाओं का निर्माण कार्य विभिन्न स्तरों पर गतिमान है। उन्होंने बताया कि जनपद में वर्तमान तक 741 राजस्व ग्राम में प्रमाणीकरण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जबकि 105 गांवों में प्रमाणीकरण की प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए कार्य किया जा रहा है। बताया कि जनपद में 1338 सोर्स जियो टैग के सापेक्ष वर्तमान तक 1232 सोर्स टैग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस मौके पर परियोजना अधिकारी आनंद भाकुनी, डीडीओ केके पंत, पेयजल निगम के अधिशासी अभियंता राजेश कुमार, अरुण प्रताप, जल संस्थान के अधिशासी अभियंता मुकेश कुमार और सहायक अभियंता राहुल राय मौजूद थे।

भारत पर्व पर प्रदर्शित होगी "आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड" की झांकी

देहरादून। रक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय रंगशाला शिविर, नई दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान विभिन्न प्रदेशों एवं मंत्रालयों की झांकियों का प्रेस के समक्ष अपने-अपने राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की। इस अवसर पर जानकारी दी गई कि उत्तराखण्ड राज्य की झांकी इस वर्ष "आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड" थीम के अंतर्गत भारत पर्व में प्रदर्शित होगी। भारत पर्व के आयोजन के दौरान 26 से 31 जनवरी तक दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में उत्तराखण्ड की विकास यात्रा के दर्शन किए जा सकेंगे। इस वर्ष उत्तराखण्ड की झांकी की थीम "आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड" रखी गई है, जो आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप राज्य की सांस्कृतिक, आर्थिक एवं पारंपरिक आत्मनिर्भरता को दर्शाती है। सूचना विभाग के संयुक्त निदेशक एवं झांकी के नोडल अधिकारी श्री के.एस. चौहान ने बताया कि "आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड" झांकी के ट्रैक्टर सेक्शन में पारंपरिक वाद्ययंत्रों ढोल और रणसिंघा की आकर्षक तांबे की प्रतिकृतियां हैं, जो उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शिल्पी कारीगरों की कलात्मक महारत का प्रतीक हैं। ट्रेलर सेक्शन के पहले भाग में तांबे के मंजीरे की एक बड़ी मूर्ति दिखायी गई है, जो तांबे की कला की बारीकियों को विस्तार से उजागर करती है।

प्रदर्शनी-स्टाल व रैंप वॉक में दुगड्डा ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : समग्र शिक्षा अभियान के तहत राजकीय इंटर कॉलेज पौड़ी के सभागार में गुरूवार को जनपद स्तरीय सपनों की उड़ान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुर्सी दौड़ में थलीसैंण ब्लॉक, नुक्कड़ नाटक में नैनीडांडा, लोकगायन में पाबौ, लोकनृत्य में द्वारीखाल, प्रदर्शनी एवं स्टाल प्रतियोगिता में दुगड्डा, रैंप वॉक में दुगड्डा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष हिमानी नेगी ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उनकी छिपी प्रतिभाओं को निखारने में सहायक होते हैं। प्रभारी मुख्य शिक्षा अधिकारी रणजीत सिंह नेगी ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सपनों की उड़ान के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं को पहचानने और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम के तहत कुर्सी दौड़ में थलीसैंण ब्लॉक ने प्रथम, दुगड्डा ने द्वितीय व एकेश्वर ने तृतीय स्थान हासिल किया। नुक्कड़ नाटक में नैनीडांडा प्रथम, यमकेश्वर द्वितीय व द्वारीखाल तृतीय रहा। लोकगायन में पाबौ प्रथम, पौड़ी द्वितीय, कोट तृतीय, लोकनृत्य में द्वारीखाल प्रथम, पौड़ी द्वितीय व कल्जीखाल तृतीय रहा। प्रदर्शनी एवं स्टाल प्रतियोगिता में दुगड्डा प्रथम, जयहरीखाल द्वितीय व द्वारीखाल तृतीय, रैंप वॉक में दुगड्डा प्रथम, बीरींखाल द्वितीय व थलीसैंण तृतीय स्थान पर रहा। इस मौके पर सोनाली नौटियाल, प्रदीप रावत, प्रवीन नेगी आदि मौजूद रहे।

नागरिक संहिता दिवस की तैयारियों का एडीएम ने लिया जायजा

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार के निर्देश पर जिला प्रशासन की ओर समान नागरिक संहिता दिवस के आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। गुरुवार को कार्यक्रम के आयोजन की तैयारियों को लेकर अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण का अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

यूसीसी के नोडल अधिकारी और अपर जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को सफाई, पेयजल, विद्युत सहित सभी व्यवस्थाओं को समय से पूर्व दुरुस्त करने के निर्देश दिए। बताया कि समान नागरिक संहिता दिवस के मौके पर जनपद के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यूसीसी की जानकारी के प्रसार के लिए विद्यालयों और शैक्षिक संस्थानों में निबंध, वाद-विवाद और चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ जागरूकता कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला मुख्यालय गोपेश्वर में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही, विधि विशेषज्ञों की ओर से समान नागरिक संहिता को लेकर जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान आयोजित निबंध, वाद विवाद और चित्रकला प्रतियोगिता के प्रतिभागियों और यूसीसी को लेकर बेहतर कार्य करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

लखनऊ पहुंच साइकिल रैली का किया भव्य स्वागत

सनातन महापरिषद की ओर से गीता प्रचार-प्रसार के लिए निकाली गई थी रैली

जयन्त प्रतिनिधि।

लखनऊ : सनातन महापरिषद की ओर से उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों के लिए निकाली गई रैली के लखनऊ पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान आमजन से अपने जीवन में गीता के संदेश को अपनाने की अपील की गई।

भारत सनातन महापरिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीएम पांडेय ने बताया कि पांच जनवरी को गीता का संदेश साइकिल संग रैली को लखनऊ से उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों के लिए रवाना की गई थी। रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग किया। गांव-गांव जाकर लोगों को अपने जीवन में गीता के संदेश को अपनाने की

अपील की गई। कहा कि गीता में जीवन की सफलता का संदेश छिपा हुआ है। जन-जन को इसके प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। कहा कि 15 फरवरी को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम का समापन करेंगे। इस दौरान कामिनी मिश्रा की ओर से रचित श्रीमद्भगवत गीता प्रतीकात्मक चित्रण प्रतिका का भी विमोचन किया जाएगा। साथ ही साइकिल रैली में प्रतिभाग करने वाले लोगों को भी सम्मानित किया जाएगा। रैली के सफल संचालन में कंटोमेंट बोर्ड के सदस्य प्रमोद शर्मा, सनातन महापरिषद के प्रदेश अध्यक्ष एके सक्सेना, ओमप्रकाश नाथ तिवारी, दिनेश चंद्र, प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव, परेश गौड़, विमल सक्सेना, हरिओम पारासर, अवधेश चंद्र, ललित पांडेय अनवर हुसैन, रजा हुसैन, गौरव, ओमप्रकाश, शशि भूषण चौधरी, सुजाता पाल सहित अन्य लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बदरीनाथ विधानसभा की बालिका फुटबॉल टीम रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : मुख्यमंत्री चैम्पियन ट्रॉफी के अंतर्गत आयोजित सांसद चैम्पियन ट्रॉफी 2025 का आयोजन प्रदेशभर में उत्साह के साथ किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद चमोली में जिला क्रीड़ा मैदान, गोपेश्वर में सांसद चैम्पियन ट्रॉफी प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

प्रतियोगिता के पांचवें दिन गुरुवार को कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद चमोली के जिलाधिकारी गौरव कुमार ने किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी गौरव कुमार ने उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि सांसद चैम्पियन ट्रॉफी जैसे आयोजन ग्रामीण एवं पर्वतीय क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे लाने का सशक्त माध्यम हैं। जिलाधिकारी ने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सांसद चैम्पियन ट्रॉफी के पांचवें दिन

आयोजित प्रतियोगिताओं में अंडर-14 बालिका वर्ग की फुटबॉल स्पर्धा में बदरीनाथ विधानसभा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं बैडमिंटन अंडर-14 बालिका एकल वर्ग में उषा (बागेश्वर) विजेता रहीं, जबकि बैडमिंटन अंडर-14 बालिका डबल्स में तनुजा एवं गुड़िया (बागेश्वर) ने प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद का नाम रोशन किया। इस अवसर पर धीरेन्द्र नाथ द्विवेदी जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक अधिकारी, आदर्श पंत क्षेत्रीय प्रांतीय रक्षक अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नर्सिंग बेरोजगारों का 49वें दिन भी जारी रहा धरना

देहरादून। वर्षवार नर्सिंग भर्ती की मांगों को लेकर बेरोजगारों का आंदोलन गुरुवार को 49वें दिन भी जारी रहा। एकता विहार स्थित धरना स्थल पर डटे आंदोलनकारियों ने साफ किया कि यदि सरकार ने जल्द ही उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया, तो वे रणनीति बदलकर आंदोलन को तेज करने के लिए मजबूर होंगे। युवाओं का कहना है कि वे लंबे समय से संयमित होकर अपनी बात सरकार के सामने रख रहे हैं, लेकिन अभी तक केवल आश्वासन ही मिला है। उन्होंने सरकार से सकारात्मक पहल की उम्मीद जताई है। इस दौरान नवल पुंडीर, राजेंद्र कुकरेती, अनिल रमोला, प्रवेश रावत, सुभाष रावत और मुकेश रमोला सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

अवैध खनन करने पर 32 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई टिहरी। भूतत्व खनिकर्म विभाग ने राजस्व विभाग के साथ अलकनंदा नदी क्षेत्र में औचक निरीक्षण कर स्वीकृत पट्टे की आड़ में अवैध खनन कर रहे पट्टाधारक का चालान किया है। खनन नियमावली का उल्लंघन करने पर विभागीय टीम ने खनन रॉयल्टी के चार गुना करीब 32 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है। अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए खनिकर्म विभाग ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। टिहरी खनिकर्म विभाग ने कीर्तिनगर तहसील के चौरास क्षेत्र में अलकनंदा नदी पर ग्राम नौर की सीमा में स्वीकृत चुगान/लॉट पर पट्टा धारक द्वारा स्वीकृत लॉट से बाहर नौर क्षेत्र में अवैध खनन की शिकायत पर टीम ने क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि टीम ने पौड़ी क्षेत्र के ग्राम भलगांव में स्वीकृत पट्टे की आड़ में स्वीकृत सीमा से बाहर टिहरी जिले की सीमा में स्थित नौर गांव के खसरा नंबर 988 में अलग-अलग 16 जगहों पर रात को अवैध खनन होना पाया है। बताया गया कि टिहरी क्षेत्र के नौर गांव में 6517.48 घनमीटर अवैध खनन कर दिया गया। खनन नियमावली का उल्लंघन करने पर देय रायल्टी का चार गुना के आधार पर पट्टेधारक के खिलाफ 32 लाख 84 हजार 792 रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। विभागीय अधिकारी ने कहा कि अवैध खनन रोकने के लिए टीम चौकसी बरत रही है। शिकायत मिलने पर शीघ्र कार्रवाई की जा रही है।

टिहरी जिले के चौरास सीमा क्षेत्र में अलकनंदा नदी पर आवंटित लॉट की आड़ में भारी मात्रा में अवैध खनन की शिकायत मिलने पर जांच टीम गठित की गई। मौके पर अवैध खनन की पुष्टि होने के बाद पट्टाधारक पर करीब 32 लाख 84 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है।

वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

नई टिहरी। पीएम श्री बालगंगा राजकीय इंटर कॉलेज केमरा-केमर के वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं ने सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। भिलंगना ब्लॉक प्रमुख राजीव कंडारी ने वार्षिकोत्सव का शुभारंभ किया। छात्र-छात्राओं ने गढ़वाली, जौनसारी, हिन्दी गानों पर लोक नृत्य, देशभक्ति और नाटक की रंगारंग प्रस्तुति दी।

उत्तर रेलवे

अधिसूचना

विषय :- सेवाओं की आवश्यकताओं में सेवा निवृत रेल कर्मचारियों की री-इंगेजमेंट परिचालन विभाग मुरादाबाद में ।

रेलवे बोर्ड के पत्र सं No. E(NG)II/2024/RC-4/9 dated 15.10.2024 (RBE No. 96/2024) एवं No. E(NG)II/2024/RC-4/9 dated 20.06.2025 (RBE No. 55/2025) के अन्तर्गत यह विनिश्चय किया गया है कि निम्नलिखित पदों में रेल सेवा से सेवा निवृत कर्मचारियों को रि- इंगेज किया जाना है, जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

क्रम सं	विभाग	पद का नाम	लेवल	पदों की संख्या
1	परिचालन विभाग	शंटिंग मास्टर	04	08

अभ्यावेदनों को जमा करने की अंतिम तिथि 10.02.2026 है। अंतिम तिथि 10.02.2026 के बाद प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा, अभ्यावेदन निर्धारित प्रपत्र पर भरा हुआ मान्य होगा। आवेदन प्रवर मंडल कार्मिक अधिकारी उत्तर रेलवे मुरादाबाद को रजिस्टर्ड डाक या एकल खिड़की (EGRS) पर दिनांक 10.02.2026 सायं 16.00 बजे तक जमा करा सकते है।

अन्य विस्तृत सूचना एवं जानकारी के लिए N.Rly.website https://nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।

226/2026 सहायक कार्मिक अधिकारी उत्तर रेलवे मुरादाबाद

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

अधिसूचना

विषय:- सेवाओं की आवश्यकताओं में सेवा निवृत रेल कर्मचारियों की री-इंगेजमेंट परिचालन विभाग मुरादाबाद में। रेलवे बोर्ड के पत्र सं No. E (NG)II/2024/RC-4/9 dated 15.10.2024 (RBE No- 96/2024) एवं No E(NG)II/2024/RC-4/9 dated 20.06.2025 (RBE No-55/2025) के अन्तर्गत यह विनिश्चय किया गया है कि निम्नलिखित पदों में रेल सेवा से सेवा निवृत कर्मचारियों को रि-इंगेज किया जाना है, जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

विभाग	पद का नाम	लेवल	पदों की संख्या
परिचालन विभाग	Trainman	01	04

अभ्यावेदनों को जमा करने की अंतिम तिथि 10.02.2026 है। अंतिम तिथि 10.02.2026 के बाद प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा, अभ्यावेदन निर्धारित प्रपत्र पर भरा हुआ मान्य होगा। आवेदन प्रवर मंडल कार्मिक अधिकारी उत्तर रेलवे मुरादाबाद को रजिस्टर्ड डाक या एकल खिड़की (EGRS) पर दिनांक 10.02.2026 सायं 16.00 बजे तक जमा करा सकते है। अन्य विस्तृत सूचना एवं जानकारी के लिए N.Rly.website https://nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।

सहायक कार्मिक अधिकारी, मुरादाबाद 225/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हेलमेट पहनने वाली माताएं बनेंगी प्रेरणा, आरटीओ देहरादून का अनूठा अभियान

देहरादून। राजधानी में 16 जनवरी से 14 फरवरी तक 'राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह' के तहत आरटीओ (प्रवर्तन) की ओर से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देकर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है।

इस बार विभाग ने रिस्पॉन्सिबल मदर (जिम्मेदार माता) की अनूठी पहल शुरू की है। इसके तहत उन माताओं को रोल मॉडल के रूप में सम्मानित किया जा रहा है, जो स्वयं हेलमेट पहनने के साथ-साथ अपने बच्चों को भी हेलमेट पहनाती हैं। साथ ही, नाबालिग ड्राइविंग के खिलाफ भी सख्त संदेश दिए जा रहे हैं।

शिविर में छाया मोबाइल नेटवर्क न होने का मुद्दा

नई टिहरी। उप तहसील पावकी देवी के न्याय पंचायत बुगाला और जौनपुर ब्लॉक के द्वारगढ़ में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार शिविर का आयोजन किया गया। बुगाला शिविर में दोगी पट्टी के गांवों में मोबाइल नेटवर्क की सुविधा न होने आपदा से क्षतिग्रस्त ग्रामीण सड़क मार्गो की मरम्मत न होने का मुद्दा प्रमुखता से छाया रहा। बुगाला में वन मंत्री सुबोध उनियाल ने शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा प्रत्येक पात्र लाभार्थी को उसका अधिकार, हक सरल और सुविधाजनक रूप में प्राप्त करना है। इसी उद्देश्य से सरकार द्वारा जन- जन के द्वार तक पहुंचकर सभी प्रकार के प्रमाणपत्र, ईझकेवाईसी, कृषि उपकरण, खाद, बीज प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। डीएम नितिका खंडेलवाल ने बताया कि केवाईसी, पेंशन, बीमा योजनाओं सहित सभी प्रकार के प्रमाणपत्र शिविर में ही उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सरदार सिंह पुंडीर ने दोगी क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की स्थिति में सुधार करने, पावकी देवी राजकीय इंटर कॉलेज में इंटर स्तर पर गणित विषय का पद सृजित करने, क्षेत्र की एक सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने की मांग की गई। शिवपुरी के प्रधान प्रभु लाल बिजल्वाण ने शिवपुरी पेयजल लाइन के लिए अधिगृहित भूमि से पाइपलाइन बिछाने की मांग की गई।

गंगल्सी की प्रधान सुशीला देवी ने सेरा गाड नामे तोक में लो बोल्टेज का समाधान करने और झूलते बिजली के तारों को चाक-चौंबद करने की मांग की। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख दीक्षा राणा, डीएफओ नरेंद्रनगर दिगांथ नायक, एसडीएम आशीष घिल्डियाल, सीएमओ डॉ. श्याम विजय, डीडीओ मो. असलम आदि मौजूद रहे। द्वारगढ में एसडीएम अंकित राज की अध्यक्षता में शिविर आयोजित किया गया। धनोल्टी प्रीतम सिंह पंवार ने अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर शिविर में दर्ज शिकायतों का निराकरण करने को कहा। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख सीता पंवार, जिला पंचायत सदस्य जोत सिंह रावत, तहसीलदार भूपेंद्र राणा, बीडीओ अर्जुन सिंह रावत, एडीओ पंचायत हरीश प्रसाद नौटियाल आदि मौजूद रहे।

जिला मुख्यालय और घनसाली में कर्मियों ने चलाया जन जागरण अभियान

नई टिहरी। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद से जुड़े टिहरी शाखा के पदाधिकारियों ने जिला चिकित्सालय बौराड़ी व विकासखंड स्तरीय समन्वय समिति ने भिलंगना के खंड विकास कार्यालय घनसाली में गेट मीटिंग कर जन जागरण अभियान चलाया। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद टिहरी शाखा के जिलाध्यक्ष भगवान सिंह राणा ने कहा कि जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने जिला चिकित्सालय बौराड़ी बौराड़ी, वन विभाग, नगर पालिका, जिला पंचायत, बाल विकास विभाग में तथा खंड विकास कार्यालय घनसाली में गेट मीटिंग कर कर्मियों को लंबित 18 सूत्री मांगों के बारे में बताया। कहा कि संगठन गत कई वर्षों से मांगों लेकर मुखर है लेकिन उनका निस्तारण नहीं हो पा रहा है।

संगठन पदाधिकारियों ने कर्मियों से मांगों को लेकर एक मंच पर आने की अपील की। संयुक्त परिषद की मुख्य मांगे एसीपी की बहाली, वेतन विसंगति दूर करने, राज्य कर्मचारियों को केंद्र सरकार के समान आवास भत्ता देने, पेंशन एवं सेवानिवृत्ति लाभ, राजस्थान और पंजाब राज्यों की तर्ज पर पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू, गोल्डन कार्ड खमियों को दूर करने सहित 18 सूत्री शामिल हैं। इस मौके पर जिला मंत्री जयवीर रंगड, प्रेम लाल शाह, सुधा पाण्डेय, प्रीतम नेगी,उपेंद्र बमोला, दीपक थपलियाल, सुषमा, लक्ष्मण सजवाण, रविन्द्र राणा मौजूद थे।

टिहरी जिले के 16 शिक्षक बने कबड्डी के स्टेट रेफरी

नई टिहरी। जिले के 16 व्यायाम शिक्षक कबड्डी के स्टेट रेफरी बने हैं। उत्तराखंड कबड्डी एसोसिएशन की ओर से जारी परिणाम में चयनित शिक्षकों के नाम घोषित किए गए हैं।

स्टेट रेफरी कोर्स के लिए एसोसिएशन की ओर से पांच से सात सितंबर 2025 तक प्रेम नगर आश्रम हरिद्वार में विशेष प्रशिक्षण शुरू किया गया था जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों से कबड्डी में रुचि रखने वाले 61 शिक्षक-शिक्षिकाओं और पूर्व खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था। कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए अच्छे ऑफिशियल तैयार करने और कबड्डी खेल के नियमों की सही जानकारी खिलाड़ियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से हरिद्वार में कार्यशाला आयोजित की गई थी। शिक्षकों को कबड्डी रेफरी का प्रशिक्षण कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया के टेक्निकल डायरेक्टर जगदीश्वर यादव और इंटरनेशनल टेक्निकल ऑफिसर राणा रणजीत सिंह द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों का लिखित, मौखिक और प्रैक्टिकल परीक्षा आयोजित की गई। एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया टेक्निकल डायरेक्टर जगदीश्वर यादव, उत्तराखंड कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश जोशी, उत्तराखंड कबड्डी एसोसिएशन के महासचिव चेतन जोशी, उत्तराखंड कबड्डी एसोसिएशन के टेक्निकल अध्यक्ष मनोज नेगी ने बताया कि 22 जनवरी 2026 को परीक्षा का परिणाम जारी किया है।

सपा कार्यालय में पंडित जनेश्वर मिश्र की जयंती मनाई

देहरादून। समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को 'छोटे लोहिया' के नाम से जाने जाने वाले पंडित जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती मनाई गई। राष्ट्रीय सचिव डॉ. सत्यनारायण सचान ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया। डॉ. सचान ने देश के वर्तमान सांप्रदायिक माहौल और शंकराचार्य पर हो रहे हमलों को चिंताजनक बताया। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव आते ही धर्म को खतरे में बताया जाता है, जबकि वाराणसी में सैकड़ों साल पुराने मंदिरों को तोड़ना इसका विपरीत उदाहरण है। इस मौके पर प्रदेश महासचिव अतुल शर्मा, ज्ञानचन्द यादव, मनीषा सिंह, उदित चौहान, महिपाल सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

गोरण सूरीधार से शुरू हुआ 16 किमी लंबी पर्यटन सड़क का निर्माण

नई टिहरी। टिहरी झील किनारे गोरण सूरीधार से पर्यटन रोड का कार्य जोरशोर से शुरू हो गया। पहले चरण में गोरण क्षेत्र में पांच किमी सड़क का निर्माण शुरू किया गया है। कोटीकॉलोनी से डोबरा-चांठी तक कुल 16 किमी लंबी इस सड़क का पूरा निर्माण 18 माह में पूरा किया जाना है। तीन अलग-अलग चरण में यह कार्य किया जाना है। कार्यदायी संस्था चंबा के अधिशासी अभियंता जगदीश खाती, जेई नितिन लेखवार ने बृहस्पतिवार को सूरीधार पहुंचकर सड़क निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।प्रथम चरण में लोनिवि चंबा 16 और लोनिवि प्रांतीय खंड बौराड़ी को 28 किमी सड़क का कार्य करने की जिम्मेदारी दी गई है। लोनिवि चंबा ने कोटीकॉलोनी से डोबरा तक 16 किमी पर इन दिनों तेजी से कार्य चल रहा है। सड़क निर्माण के लिए जाख, ज्यूदासू, रामगांव, मरोडा, हडगी, पालीचक, जसपुर, तिवाड़ गांव और पलास के 98 काश्तकारों की लगभग 4.8 हेक्टेयर नाप भूमि का अधिग्रहण हो चुका है। प्रभावित काश्तकारों को विशेष भूमि अध्यापित कार्यालय की ओर से मुआवजा भुगतान की कार्रवाई इन दिनों चल रही है। विभागीय अधिकारियों ने सूरीधार पहुंचकर निर्माण कायी का स्थलीय निरीक्षण किया।

ईई खाती ने निर्माण कार्य में लगी कंपनियों को निर्माण कार्य के दौरान ही मलबे का निस्तारण सही तरह से डंपिंग जोन में करने को कहा। टैंकरों से नियमित रूप से पानी का छिड़काव करने को कहा है।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382-222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com